दैनिक
# सिटी दर्पण
आईना सच का

**आज का विचार**

वक्त और विश्वास एक ऐसा पक्षी है जो एक बार उड़ जाए तो कभी भी वापस नहीं आता है।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 14 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 38, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

# प्रदेश में हरियाणा-यूरोपीय संघ वर्किंग ग्रुप की होगी स्थापना: नायब सिंह सैनी

## सीएम का आह्वान- भारत और यूरोपियन संघ के साथ हुए समझौते से खुले व्यापार के नए अवसर, अधिक से अधिक लाभ उठाए उद्यमी

**भूपेंद्र शर्मा**
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा भारत और यूरोपियन संघ के साथ हुए भारत-यूरोपियन मुक्त व्यापार समझौते ने प्रदेश के लिए व्यापार के नए अवसर खोल दिए हैं। उन्होंने हरियाणा के उद्यमियों से इस समझौते का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा-यूरोपियन संघ वर्किंग ग्रुप की स्थापना करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री शुक्रवार को नई दिल्ली में हरियाणा यूरोपियन व्यापार संघ की बैठक में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच उभरता आर्थिक और रणनीतिक सहयोग केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है। यह हमारी सभ्यताओं, सशक्त लोकतांत्रिक परंपराओं और दूरदर्शी विकास यात्राओं के बीच विश्वास, साझेदारी और साझा भविष्य का सेतु है। यह समझौता हमारे संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला एक ऐतिहासिक अध्याय है। यूरोपीय संघ के 27 देशों का यह विशाल और समृद्ध बाजार विश्व के सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों और क्रय-शक्ति के लिए जाना जाता है। इस ऐतिहासिक समझौते के माध्यम से अब हरियाणा और भारत के उत्पादों के लिए यूरोप के द्वार पूरी तरह खुल चुके हैं। हमारे उद्यमों, हमारे किसानों और हमारे युवाओं के लिए यह एक नया बाजार ही नहीं, बल्कि नए अवसरों का महासागर है। इसमें संभावनाओं की अनंत लहरें समाहित हैं। हमें इसका लाभ उठाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम अपने सामान की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि हमारे सामान पर विश्वास जमें। इससे दुनिया भर में हमारे सामान की विश्वनीयता बढ़ेगी। भारत-ईयू समझौता से आईटी सेवाएं, डेटा विज्ञान और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में यूरोप में आपके कौशल की मांग बढ़ेगी। लाखों उच्च-स्तरीय रोजगार के अवसर आपके लिए उपलब्ध होंगे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए भी यह समझौता आशा की नई किरण है। अब हरियाणा के फल, सब्जियां और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद सीधे यूरोप के प्रमुख बाजारों तक पहुंचेंगे। ब्रुसेल्स, बर्लिन और पेरिस के सुपरमार्केट में जब हमारे किसानों की मेहनत दिखाई देगी। हमारे राज्य की वास्तविक शक्ति हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में निहित है। यूरोपीय तकनीक और हरियाणा के कुशल श्रम मिलकर हमारी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता को वैश्विक स्तर तक पहुंचाएगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण है। प्रदेश सरकार निवेशकों के लिए पारदर्शी और भरोसेमंद वातावरण प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हरियाणा सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस को सरल बनाया है। आधुनिक लॉजिस्टिक्स पार्क और एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया है। श्रम कानूनों में सुधार कर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को अपनी प्राथमिकता बनाया है। हमारा संदेश स्पष्ट है कि आप हमारे राज्य में आएं, निवेश करें और हम आपकी सफलता के सहभागी बनेंगे। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की गरिमा, पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर हम मिलकर एक बेहतर विश्व का निर्माण करेंगे। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2026 में हुआ भारत-यूरोपियन मुक्त व्यापार समझौता हमारे इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने जा रहा है। हरियाणा जिसे देश का उद्योगिक इंजन माना जाता है, इस ऐतिहासिक समझौते के तहत यूरोप के लिए रेड कारपेट बिछाने के लिए तैयार है। हरियाणा सरकार का लक्ष्य विकसित हरियाणा बनाना है और प्रदेश को ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना है। हमारी सरकार मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी लाने जा रही है। इसका मूल मंत्र यूरोपियन गुणवत्ता और भारतीय प्रतिभा का संगम है।

हरियाणा के पास प्रतिभा, भूमि और एक मजबूत औद्योगिक इको सिस्टम है। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग, एचएसआईआईडीसी के सीसीआई सुनील शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन विकसित भारत की यात्रा के महत्वपूर्ण मील का पत्थर : मोदी

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय का नया भवन ह्यसेवा तीर्थह्ल और केंद्रीय सचिवालय के ह्यकर्तव्य भवन 1 एवं 2ह्ल विकसित भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि ये नए भवन नागरिक-केंद्रित शासन तथा राष्ट्रीय प्रगति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

नए प्रधानमंत्री कार्यालय ह्यसेवा तीर्थह्ल तथा केंद्रीय सचिवालय की इमारतों ह्यकर्तव्य भवन 1 और 2ह्ल का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये भवन भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, ह्लसेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन 1 और 2 विकसित भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। ये नागरिक-केंद्रित प्रशासन और राष्ट्र की प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं ।ह्व उन्होंने इस अवसर पर सेवा तीर्थ स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश एक नए इतिहास का निर्माण देख रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि विक्रम संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, विजया एकादशी, माघ 24 और शक संवत 1947 के इस पावन अवसर, जिसे

वर्तमान कैलेंडर के अनुसार 13 फरवरी के रूप में जाना जाता है, भारत की विकास यात्रा में एक नए आरंभ का साक्षी बन रहा है। शास्त्रों में विजया एकादशी का विशेष महत्व है और इस दिन लिया गया संकल्प विजय दिलाता है। विकसित भारत के संकल्प के साथ सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन में प्रवेश करना शुभ संकेत है ।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक से देश के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, किंतु ये भवन ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतीक के रूप में निर्मित किए गए थे। उन्होंने कहा कि 1905 के बंगाल विभाजन के समय कोलकाता ब्रिटिश विरोधी आंदोलन का प्रमुख केंद्र बन गया था, जिसके बाद 1911 में अंग्रेजों ने राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित किया और औपनिवेशिक सोच के अनुरूप इन भवनों का निर्माण कराया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के पहले क्वार्टर के पूर्ण होने के साथ यह आवश्यक है कि विकसित भारत की झलक केवल नीतियों और योजनाओं में ही नहीं, बल्कि कार्यस्थलों और भवनों में भी दिखाई दे। नई तकनीकों के तेजी से विस्तार के बीच पुरानी इमारतें अपर्याप्त हो रही थीं। उन्होंने बताया कि करीब 100 वर्ष पुरानी इमारतों में स्थान की कमी और संरचनात्मक सीमाएं थीं तथा वे भीतर से जर्जर हो रही थीं।

उन्होंने कहा कि आज भी केंद्र सरकार के कई मंत्रालय दिल्ली में 50 से अधिक स्थानों से संचालित हो रहे थे, जिन पर प्रतिवर्ष लगभग 1,500 करोड़ रुपये किराये के रूप में व्यय होते थे। प्रतिदिन हजारों कर्मचारियों के एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में अतिरिक्त लॉजिस्टिक खर्च होता था। सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन के निर्माण से इन खर्चों में कमी आएगी, समय की बचत होगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने भवन देश के इतिहास का अमर हिस्सा हैं और उन्हें ह्ययुगे युगेन भारत संग्रहालयह्ल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी देश की विरासत से प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति आवश्यक है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री आवास की सड़क का नाम पहले रेस कोर्स रोड था, जिसे बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया। राष्ट्रपति भवन तक जाने वाली सड़क, जिसे पहले राजपथ कहा जाता था, उसे कर्तव्य पथ के रूप में विकसित किया गया। शहीद सैनिकों के सम्मान में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और पुलिस बलों के सम्मान में पुलिस स्मारक का निर्माण भी इसी सोच का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लहम यहां अधिकार दिखाने नहीं आए हैं, हम यहां जिम्मेदारी निभाने आए हैं ।ह्व उन्होंने कहा कि जब शासन सेवाभाव से चलता है तो परिणाम असाधारण होते हैं और इसी भावना से करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं तथा देश की अर्थव्यवस्था ने नई गति प्राप्त की है।

उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकारों की भव्य इमारत कर्तव्य की नींव पर ही खड़ी होती है। विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि राष्ट्र का संकल्प है और सेवा तीर्थ तथा कर्तव्य भवन इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# प्रत्येक नागरिक भारत के सतत एवं समग्र विकास में दे सकता है योगदान : राष्ट्रपति

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक कर्मयोग के माध्यम से भारत के सतत और समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। राष्ट्रपति ने आज यहां ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन किया तथा ह्यकर्मयोग द्वारा सशक्त भारतह्ल नामक राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती समारोह का भी शुभारंभ किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संतुलित और समग्र विकास के लिए नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिकता का भौतिक प्रगति के साथ समन्वय आवश्यक है। आर्थिक प्रगति समृद्धि को बढ़ावा देती है और तकनीकी उन्नति नवाचार, दक्षता तथा प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है, जो एक समृद्ध राष्ट्र की नींव रखते हैं। किंतु नैतिकता के अभाव में आर्थिक और तकनीकी विकास सामाजिक असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा कि अनैतिक आर्थिक प्रगति से संपत्ति और संसाधनों का केंद्रीकरण, पर्यावरणीय क्षति तथा कमजोर वर्गों का शोषण हो सकता है। इसी प्रकार, नैतिक मूल्यों के बिना प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता हमें मूलभूत मूल्य और नैतिक ढांचा प्रदान करती है, जो कर्मयोग अर्थात निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। आध्यात्मिकता सत्यनिष्ठा, करुणा, अहिंसा और सेवा जैसे गुणों पर बल देती है, जो शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। जब हमारे विचार आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होते हैं, तब हम स्वार्थ से ऊपर उठकर समस्त समाज के कल्याण के बारे में सोच पाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजयोग की शिक्षा देता है, जो केवल एक स्थान पर बैठकर आत्मचिंतन करने तक सीमित नहीं है बल्कि कर्मयोग इसका अभिन्न अंग है। कर्मयोग का अर्थ है उच्च आध्यात्मिक सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करना। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े लाखों लोग नियमित रूप से कर्मयोग का अभ्यास कर सार्थक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मयोग के माध्यम से प्रत्येक नागरिक भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ मूल्य-आधारित जीवन का विश्व के लिए आदर्श समाज बनाने में योगदान दे सकता है।

# बढ़ती शहरी आबादी के लिए किफायती आवास जरूरी: मनोहर लाल

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को आवास से जुडे. फाइनेंस के बदलते परिदृश्य को लेकर आयोजित सम्मेलन में कहा कि देश में तेजी से बढ़ती शहरी आबादी को देखते हुए किफायती आवास की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके लिए एक राष्ट्रीय आवास विनिमय जैसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिसमें देशभर में उपलब्ध आवासों का व्यापक डेटा हो। इससे लोगों को अपने कार्यस्थल के पास उपयुक्त घर चुनने और संपत्ति विनिमय की सुविधा मिलेगी, जिससे यात्रा समय कम होगा और जीवन अधिक सुविधाजनक

बनेगा। मनोहर लाल आज यहां भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इवॉल्विंग लैंडस्केप ऑफ हाउसिंग फाइनेंस' में शामिल हुए। यह दो दिवसीय सम्मेलन 12 और 13 फरवरी को राष्ट्रीय आवास बैंक और एशिया पैसिफिक यूनियन फॉर हाउसिंग फाइनेंस (एपीयूएचएफ) द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन में भारत सरकार, संस्थानों, विभिन्न देशों के विशेषज्ञों, निजी इक्विटी के लोगों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मनोहर लाल ने एक संयुक्त अध्ययन का जिक्र किया, जिसे नीति आयोग और उनके मंत्रालय ने मिलकर किया था। इसमें अनुमान लगाया गया कि भारत की शहरी आबादी साल 2021 में 500 मिलियन थी और साल 2050 तक यह 850 मिलियन से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस जनसांख्यिकीय बदलाव से देशभर में किफायती आवास की मांग में भारी वृद्धि होगी। मनोहर लाल ने कार्यक्रम में आवागमन से जुड़ा विकास (टीओडी) मॉडल के जरिए मजबूत शहरी संरचना विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवहन से जुड़ी आवासीय योजनाएं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगी। साथ ही उन्होंने बैंकों, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों और राष्ट्रीय आवास बैंक से आवास स्टॉक बढ़ाने के लिए अधिक ऋण सहयोग देने की अपील की।

# राहुल ने किसान नेताओं के साथ भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते पर की चर्चा

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर स्थित कार्यालय में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से शुक्रवार को मुलाकात की। उन्होंने बैठक में किसानों से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवा जैसी फसलों पर किसानों के पक्ष को सुना।

राहुल गांधी ने कहा कि इस व्यापार समझौते से कृषि आयात के दरवाजे खुल गए हैं और जल्द ही अन्य फसलें भी इसके दायरे में आ सकती हैं। उन्होंने किसानों और खेत मजदूरों की आजीविका बचाने के लिए बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में शामिल किसान नेताओं में ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के सुखपाल एस. खैरा, जीकेएस राजस्थान के रंजीत एस संधू, भारतीय किसान मजदूर यूनियन हरियाणा के एडवोकेट अशोक बल्हारा, केएमएम केरल के पीटी जॉन, बीकेयू क्रांतिकारी के बलदेव एस जीरा, प्रोग्रेसिव फार्मर्स फ्रंट के आर नंदकुमार, बीकेयू शहीद भगत सिंह के अमरजीत एस मोहरी, ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के अखिलेश शुक्ला, आम किसान यूनियन के केदार सिरोही, किसान कांग्रेस पंजाब के किरनजीत एस. संधू, गुरप्रीत एस संगा (राज्यसभा), किसान मजदूर मोर्चा-इंडिया के गुरमनीत एस. मंगट, जम्मू-कश्मीर जमींदारा फोरम के हमीद मलिक, केएमएम के तेजवीर सिंह, हरियाणा किसान संघर्ष समिति के धरमवीर गोयत, कृषक समाज के ईश्वर सिंह नैन और दक्षिण हरियाणा किसान यूनियन के सतबीर खटाना शामिल रहे।

# राज्य सभा में बोले शिवराज सिंह, मोदी युग में कृषि और किसानों का समग्र विकास

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में सांसदों के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता सुख के लिए नहीं बल्कि किसान, गांव और गरीब के सर्वांगीण विकास के लिए है। उन्होंने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि जीवनदाता है। इसी सोच के साथ एमएसपी, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, पीएम-कुसुम, पराली प्रबंधन और फसल विविधीकरण जैसी नीतियां जमीन पर बदलाव ला रही हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सत्ता के स्वर्ण सिंहासन पर आरूढ़ होकर सत्ता सुख के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, किसानों के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा और आत्मनिर्भरझविकसित भारत के निर्माण के लिए राजनीति करते हैं। नरेंद्र मोदी ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संरचनाएं बनाने का ऐतिहासिक फैसला किया ताकि किसानों के उत्पाद को सुरक्षित रखा जा सके। इस योजना के अंतर्गत 44,243 कस्टम हायरिंग सेंटर, 25,854 प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर, 25,565 फार्म हार्वेस्ट ऑटोमेशन यूनिट, 17,779 वेयरहाउस, 4,201 सॉर्टिंग और ग्रेडिंग यूनिट, स्मार्ट और प्रिसीजन एग्रीकल्चर के लिए 3,549 इंफ्रास्ट्रक्चर और 2,827 कोल्ड स्टोरेज स्थापित किए जा चुके हैं। इन आधुनिक संरचनाओं के कारण फसल, फल और सब्जियों के नुकसान में 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक कमी आई है और किसान अब अपना उत्पाद सुरक्षित रखकर बेहतर दाम हासिल कर पा रहे हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट कहा कि सभी

देशवासी भारत मां के लाल हैं, भेदभाव का सवाल ही नहीं उठता और पंजाब की महान जनता को प्रणाम करते हुए आश्वस्त किया कि मोदी सरकार पंजाब की प्रगति और विकास में कोई कोरझकसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने बताया कि पंजाब में एआईएफ के तहत 32,014 आवेदन आए और प्रारंभिक लक्ष्य 7,425.98 करोड़ रुपये के मुकाबले 11,351.54 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ स्वीकृत की गईं, जिनसे बेहतर स्टोरेज, प्रोसेसिंग और मशीनीकरण से 5 प्रतिशत से 15 प्रतिशथ तक नुकसान में कमी आई और एकझएक परियोजना से 4 से 9 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला, जिससे लाखों रोजगार पैदा हुए।

तमिलनाडु के संदर्भ में उन्होंने कहा कि ह्यदलहन आत्मनिर्भरता मिशनह्ल समान रूप से पूरे देश में लागू है, अच्छे बीज, क्लस्टर आधारित उत्पादन, डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट, प्रति हेक्टेयर 10,000 रुपये तक सहायता, खरीदी और दाल मिलों के लिए सहायता जैसे हर घटक तमिलनाडु में भी मिलेगा और राज्य सरकार के साथ मिलकर दाल उत्पादन बढ़ाने को लेकर केंद्र प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यूपीए सरकार के 10 साल में मात्र 6 लाख मीट्रिक टन दलहन खरीदा गया, जबकि मोदी सरकार ने 1 करोड़ 92 लाख मीट्रिक टन दलहन की खरीद की है, उन्होंने घोषणा की कि तुअर, मसूर और उड़द की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित की जाएगी, किसान जितना उत्पादन करेगा और बेचना चाहेगा, केंद्र सरकार पूरी मात्रा खरीदेगी।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सरकार का पहला लक्ष्य गेहूं और चावल में आत्मनिर्भरता था, जिसे हासिल कर आज भारत चावल और गेहूं दोनों का निर्यात कर रहा है और चावल के उत्पादन में 15 करोड़ टन के साथ चीन को पीछे छोड़कर विश्व में नंबर एक हो चुका है। उन्होंने माना कि चावल में पानी की खपत बहुत अधिक है, इसलिए कम समय और कम पानी वाली किस्मों का विकास और डायरेक्ट सीडेड राइस को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें खेत में स्थायी रूप से पानी भरने की आवश्यकता नहीं रहती।

इसके समानांतर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फसल विविधीकरण कार्यक्रम के तहत दलहन, तिलहन, मोटे एवं पोषक अनाज, मक्का, जौं, कपास और कृषिवानिकी जैसी वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है और राज्य सरकारों के माध्यम से दलहन के लिए 9,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, मक्का व जौं के लिए 7,500 रुपये , हाइब्रिड मक्का के लिए 11,500 रुपये और पोषक अनाजों के लिए 7,500 रुपये प्रति हेक्टेयर तक सहायता दी जा रही है।

# आरडीजी पर अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पाई भाजपा
# सर्वदलीय बैठक बीच में छोड़ना निंदनीय : सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शिमला में शुक्रवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत राजस्व घाटा अनुदान बंद किए जाने के संभावित असर पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान को वापस लेने का प्रस्ताव राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है और इससे हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने बैठक को बीच में छोड़कर जाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की और इसे निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं है और प्रदेश के लोगों के हितों की रक्षा करने के बजाय राजनीति कर रही है।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), आम आदमी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने भी राजस्व घाटा अनुदान को बहाल करने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की इच्छा जताई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार को अपने कार्यकाल में राजस्व घाटा अनुदान के रूप में 54 हजार करोड़ रुपये और जीएसटी मुआवजे के रूप में 16 हजार करोड़ रुपये मिले थे, जबकि मौजूदा सरकार को अब तक लगभग 17 हजार करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 275(1) के तहत राजस्व घाटा अनुदान राज्यों का संवैधानिक अधिकार है, जो 1952 से लागू है और इसका उद्देश्य राजस्व और व्यय के अंतर को कम करना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता दुविधा में हैं और इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने अधिकारों के लिए लड़ना जानती है और यह प्रदेशवासियों के हितों की रक्षा का सवाल है। उन्होंने 2023 की आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि विशेष राहत पैकेज की मांग पर भी भाजपा सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया था।

संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौर ने भी भाजपा के रवैये की आलोचना की। बैठक में अन्य दलों ने राज्य सरकार को समर्थन दिया और प्रदेश हित में एकजुट होकर केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान बहाल करने की मांग उठाने की बात कही।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन लोगों के अधिकारों की रक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इस मुद्दे पर प्रदेश के हित सर्वोपरि हैं।

# तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा दो माह के प्रवास के बाद पंहुचे धर्मशाला, हुआ जोरदार स्वागत

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाईलामा शुक्रवार को अपने दो महीने के दक्षिण भारत प्रवास के बाद वापस मैक्लोडगंज लौट आए हैं। धर्मगुरु सुबह करीब साढ़े नौ बजे बजे दिल्ली से हवाई मार्ग द्वारा कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे जहां उनका निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रतिनिधियों सहित अन्य बौद्ध लामाओं ने स्वागत किया। धर्मगुरु दलाई लामा के आगमन पर एयरपोर्ट के बाद स्कूल शिक्षा बोर्ड कार्यालय से लेकर मैक्लोडगंज तक सड़क के दोनों ओर तिब्बती समुदाय सहित स्थानीय लोग भी उनके स्वागत के लिए कतारबद्ध खड़े रहे।

उधर उनके आगमन को लेकर पूरे कांगड़ा क्षेत्र में खुशी की लहर है और उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट से लेकर मैक्लोडगंज तक के मार्ग को पारंपरिक तोरणद्वारों से भव्य रूप से सजाया गया था।

गौरतलब है कि धर्मगुरु दलाईलामा बीते 12 दिसंबर को दक्षिण भारत की यात्रा पर रवाना हुए थे। करीब दो महीने के लंबे अंतराल के बाद उनकी वापसी को लेकर तिब्बती समुदाय के लोग बेहद उत्साहित हैं। विशेष रूप से तिब्बती नववर्ष 'लोसर' से ठीक पहले उनकी मौजूदगी ने उत्सव की चमक को दोगुना कर दिया है। समुदाय के लोगों का मानना है कि धर्मगुरु के सान्निध्य में नववर्ष मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।दलाईलामा के मैक्लोडगंज लौटने से क्षेत्र की पर्यटन गतिविधियों में भी भारी उछाल आने की उम्मीद है। उनके प्रवास के दौरान विश्व भर से बौद्ध अनुयायी, विदेशी प्रतिनिधि और पर्यटक उनके दर्शन के लिए धर्मशाला पहुंचते हैं। इससे स्थानीय होटल कारोबारियों, टैक्सी ऑपरेटरों और हस्तशिल्प व्यापारियों को बेहतर व्यापार की आस बंधी है। पर्यटन उद्यमियों का कहना है कि धर्मगुरु की मौजूदगी से मैक्लोडगंज का बाजार पूरी तरह गुलजार हो जाता है।

# पेंपा सेरिंग दूसरी बार लगातार चुने गए निर्वासित तिब्बत सरकार के 'सिक्योंग'

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

धर्मशाला स्थित निर्वासित तिब्बत सरकार के सिक्योंग के रूप में पेंपा सेरिंग को दूसरी बार लगातार चुना गया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के चुनाव आयोग ने वर्तमान सिक्योंग पेंपा सेरिंग को 17वें कशाग (कैबिनेट) के राजनीतिक नेता के रूप में पुनः निर्वाचित घोषित कर दिया है। शुक्रवार को घोषित परिणामों के अनुसार, सेरिंग ने कुल मतदान का 61.25 प्रतिशत मत हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। चुनाव नियमों के अनुच्छेद 67(4) के तहत, यदि कोई उम्मीदवार प्रारंभिक दौर में 60 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त कर लेता है, तो अंतिम दौर के चुनाव की आवश्यकता नहीं रहती। इसी आधार पर उन्हें सीधे विजेता घोषित किया गया। इस चुनाव में कुल 51,140 तिब्बतियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सेरिंग के निकटतम प्रतिद्वंद्वी केल्सांग दोरजी औकात्संग को 17,843 और सेरिंग फुंटसोक को मात्र 159 वोट मिले। यह चुनावी प्रक्रिया 1 फरवरी को 27 देशों में फैले 87 क्षेत्रीय चुनाव कार्यालयों के तत्वावधान में 309 पोलिंग जोन में आयोजित की गई थी। इस मतदान के जरिए 18वीं तिब्बती संसद के सदस्यों के चयन हेतु भी प्रारंभिक राय जानी गई। पेनपा त्सेरिंग का राजनीतिक सफर काफी प्रभावशाली रहा है। वह इससे पहले तिब्बती संसद के अध्यक्ष रह चुके हैं और 2021 के आम चुनाव में 34,324 वोट पाकर पहली बार सिक्जोंग बने थे। उनकी इस निरंतरता को तिब्बती समुदाय के बीच उनकी नीतियों और कुशल नेतृत्व पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। 1967 में कर्नाटक के बाइलाकुप्पे शरणार्थी शिविर में जन्मे पेनपा त्सेरिंग की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी मजबूत रही है। उन्होंने बाइलाकुप्पे के सेंट्रल स्कूल से 12वीं की परीक्षा मेरिट लिस्ट में टॉप करते हुए पास की और मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की। अपने कॉलेज के दिनों से ही वह तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन और नाइजीरिया-तिब्बत मैत्री संघ के महासचिव के रूप में सक्रिय रहे। राजनीति में आने से पूर्व, उन्होंने 2001 से 2008 तक दिल्ली स्थित तिब्बती संसदीय और अनुसंधान केंद्र में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

# सिकंदर कुमार ने राज्यसभा में उठाया चंडीगढ़ के ट्रैफिक जाम और सड़क हादसों का मुद्दा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राज्यसभा सदस्य डॉ. सिकंदर कुमार ने शुक्रवार को संसद में चंडीगढ़ में बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या को गंभीर बताते हुए इस पर ठोस समाधान की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ देश के सबसे व्यवस्थित शहरों में गिना जाता है, लेकिन बढ़ते वाहन घनत्व के कारण यहां यातायात व्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

सदन में अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने कहा कि शहर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। इसके चलते यहां प्रति व्यक्ति वाहन अनुपात राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई जगहों पर सतही पार्किंग होने के कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति पैदा होती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए चंडीगढ़ को दीर्घकालिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने मेट्रो परियोजना को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना था कि यदि मेट्रो परियोजना को सही लागत प्रबंधन और बहु-मॉडल परिवहन व्यवस्था के साथ लागू किया जाए, तो यह शहर की यातायात समस्या का स्थायी समाधान बन सकती है।

उन्होंने सदन के माध्यम से भारत सरकार से विनम्र अनुरोध किया कि चंडीगढ़ मेट्रो परियोजना के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाए। उनका कहना था कि मेट्रो के शीघ्र कार्यान्वयन से निजी वाहनों की संख्या सड़कों पर कम होगी। इससे ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, साथ ही शहर की वायु गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि मेट्रो परियोजना केवल चंडीगढ़ ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी लाभकारी साबित होगी। इससे सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलेगी और लोगों को सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण अनुकूल यात्रा का विकल्प मिलेगा।

# ओछी राजनीति में उलझी सरकार, वित्त आयोग के सामने पक्ष रखने में विफल: जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में केंद्र सरकार के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने बहिष्कार कर बीच बैठक से बाहर आने का फैसला किया। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार तथ्यों के बजाय राजनीति कर रही है और बैठक में भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत किए गए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार बैठकें बुला रहे हैं, लेकिन उन्हें स्वयं स्पष्ट नहीं है कि करना क्या है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि 16वें वित्त आयोग के समक्ष राज्य सरकार ने हिमाचल का पक्ष मजबूती से रखने के बजाय केंद्र को कोसने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि यदि सरकार तर्कपूर्ण ढंग से अपनी वित्तीय स्थिति आयोग के सामने रखती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने वित्त आयोगों का हवाला देते हुए कहा कि 13वें वित्त आयोग के दौरान हिमाचल को 7,800 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा अनुदान मिला, जबकि 14वें वित्त आयोग में यह राशि 40,000 करोड़ रुपये से अधिक रही। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग ने भी राजस्व घाटा अनुदान समाप्त करने की वकालत की थी, हालांकि कोविड काल में इसे चरणबद्ध तरीके से जारी रखा गया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल को पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में अधिक अनुदान और कर हिस्सेदारी मिली है। विशेष राज्य का दर्जा होने के कारण केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राज्य की हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत है, जबकि बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) में 90 प्रतिशत भार केंद्र वहन करता है।

उन्होंने दावा किया कि हाल ही में वर्ल्ड बैंक से 1,992 करोड़ रुपये की ईएपी स्वीकृत हुई है, जिसमें से 1,792 करोड़ रुपये केंद्र सरकार वहन करेगी। इसके अतिरिक्त केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बजट में 17 प्रतिशत वृद्धि से हिमाचल को सीधा लाभ मिलेगा। टैक्स डेवोल्यूशन में लगभग 9 प्रतिशत बढ़ोतरी से अगले वित्तीय वर्ष में करीब 2,300 करोड़ रुपये अतिरिक्त प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल शक्ति, शहरी निकायों और ग्रामीण योजनाओं में ऐतिहासिक वृद्धि का लाभ प्रदेश को मिलेगा, लेकिन राज्य सरकार अपनी हिस्सेदारी समय पर नहीं दे पा रही, जिससे परियोजनाएं लटक रही हैं।

पंचायत चुनावों पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने 31 मई तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं, जिसका भाजपा स्वागत करती है।

# जसरोटा विधायक ने विधानसभा में उठाए जल-आपूर्ति व वन विभाग से जुड़े मुद्दे

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने विधानसभा में अपने क्षेत्र की पेयजल संकट, जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति और वन विभाग से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 के बाद हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने के बड़े दावे किए गए और लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए लेकिन आज भी ग्रामीण इलाकों में लोगों को पर्याप्त साफ पानी नहीं मिल पा रहा है।

विधायक जसरोटिया ने बताया कि कई योजनाएं शुरू होने के बावजूद बड़ी राशि उपयोग नहीं हो पाई और कई प्रोजेक्ट वर्षों से अधूरे पड़े हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि नहरों की चैनलाइजेशन और लंबित पाइपलाइन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

वन विभाग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जमीनों के डिमार्केशन में पारदर्शिता की कमी है और राजस्व रिकॉर्ड से मेल न खाने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जंगली जानवरों, विशेषकर बंदरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की समस्या को भी गंभीर बताते हुए ठोस समाधान की मांग की।

विधायक ने क्षेत्र की सड़कों, ट्रांसफार्मरों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए विशेष टीम गठित करने का सुझाव देते हुए सरकार से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

## संक्षिप्त-समाचार

### सी.डी.ई.आई.सी., सुन्दरनगर में व्यावसायिक पदों हेतु संविदा आधार पर आवेदन आमंत्रित

**मंडी।** दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यरत समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र, सुन्दरनगर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश में संचालित सी.डी.ई.आई.सी. (उङ्केस्रङ्क३ी ङ्क’३८ एं९’८ क्ल३ी१९ील्ल३ङ्कल्ल ॅील्ल३ी) हेतु विभिन्न व्यावसायिक पदों पर संविदा आधार पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आमंत्रित पदों में नैदानिक/पुनर्वास मनोवैज्ञानिक, ऑडियोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक तथा फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। इन पदों के माध्यम से दिव्यांगजनों को प्रारंभिक हस्तक्षेप, पुनर्वास एवं कौशल विकास सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिल सके। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी पदों की संख्या, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, पारिश्रमिक तथा आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट (ूूू२४ल्लीी९ल्लॅ१.ल्लू.ल्ल) पर प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर अपना आवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

### केंद्रीय संचार ब्यूरो हमीरपुर द्वारा चंबा में जागरूकता शिविर का आयोजन

**चंबा।** भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो, हमीरपुर द्वारा भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत भट्ट प्रा. आईटीआई, भोंखरी मोड़, ब्लॉक भटियात, जिला चंबा में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं आईटीआई प्रबंधन के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परवेज अली भट्ट, अध्यक्ष भट्ट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, भोंखरी मोड़, बाथरी, जिला चंबा ने की। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक से आए सहायक प्रबंधक ज्ञान सिंह ने प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना तथा मुद्रा योजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आई सीएचओ श्रीमती आरती ठाकुर ने आयुष्मान भारत कार्ड, टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा योजना के विषय में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान विभागीय कलाकारों द्वारा गीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गई। साथ ही विषयों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं–जैसे जनधन योजना, मुद्रा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना–आम नागरिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आईटीआई की प्रधानाचार्य श्रीमती रीता सहित संस्थान का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

### हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड का बड़ा फैसला, 10वीं से 12वीं तक अब लागू होगा एफए सिस्टम

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने प्रदेश के सरकारी और निजी विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को अधिक सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी दी कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एफए (फॉर्मेटिव असिस्टेंस)-1, एफ ए-2 और प्री-बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था शुरू की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप तैयार करना है। शिक्षा बोर्ड ने पाठ्यक्रम के बोझ को कम करने के लिए 10वीं से 12वीं तक के सिलेबस का चरणबद्ध विभाजन किया है। इस नई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने और विभाजित पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए 13 फरवरी 2026 को बोर्ड मुख्यालय, धर्मशाला में विषय विशेषज्ञों और विद्यालय प्रतिनिधियों की एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में प्राप्त सुझावों के आधार पर पाठ्यक्रम को और अधिक व्यवहारिक और छात्र-हितैषी बनाने पर चर्चा की गई ताकि प्रदेश भर के सभी स्कूलों में शिक्षण कार्य में एकरूपता बनी रहे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि इन सुधारात्मक कदमों का लक्ष्य केवल परीक्षा लेना नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम के विभाजन से विद्यार्थियों पर अध्ययन का बोझ संतुलित रहेगा और वे समयबद्ध रूप से बेहतर तैयारी कर सकेंगे। बोर्ड का निरंतर प्रयास है कि हिमाचल के छात्र राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पधार्ओं में बेहतर प्रदर्शन करें, जिसके लिए शिक्षा प्रणाली में गुणवत्तापूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।

### करुण और अमिया बने मिस्टर-मिस फेयरवेल

**कठुआ।** टाइनी स्कॉलर्स स्कूल कठुआ में विदाई समारोह बड़े ही गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक मनीषा गुप्ता और प्राचार्य पूजा गुप्ता द्वारा स्कूल के नाम अंकित गुब्बारों के विमोचन के साथ हुई।

इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन कर ज्ञान और संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। समारोह के दौरान छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और उन्हें विभिन्न आकर्षक उपाधियों से सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित खिताबों की घोषणा रही। करुण रामपाल को मिस्टर फेयरवेल और अमिया गुप्ता को मिस फेयरवेल का खिताब प्रदान किया गया। वहीं प्रदीप शर्मा को मिस्टर टीएसएसके और दिव्यांशी गुप्ता को मिस टीएसएसके चुना गया। अंत में लंच के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

महोत्सव | उत्सव संस्था की ओर से ओ रे मनवा-नाटक का मंचन

# नाट्य मंचन के दूसरे दिन अतिरिक्त जिलादंडाधिकारी रहे मुख्य अतिथि, कलाकारों के सशक्त अभिनय को सराहा

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में संस्कृति सदन कांगनीधार में आयोजित नाट्य मंचन के दूसरे एवं अंतिम दिन अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डॉ. मदन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दूसरे दिन सामाजिक, सांस्कृतिक एवं समकालीन विषयों पर आधारित नाटकों का प्रभावी मंचन किया गया। उत्सव संस्था की ओर से ओ रे मनवा-नाटक का मंचन किया गया। इसका मूल आलेख निर्मल वर्मा का है, जबकि नाट्य रूपांतरण व निर्देशन दक्षा शर्मा ने किया। यह नाटक स्त्री-पुरुष संबंधों पर आधारित है जिसमें नायिका एक ऐसे आदमी से प्यार करती है जो शादीशुदा है और जिसकी एक बच्ची भी है। इसमें संबंधों के ताने-बाने को कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से बारीकी से उकेरा। मुख्य भूमिका में दक्षा शर्मा, मुनीश देव मोहन, सरिता हांडा और जय चौहान थे। प्रकाश परिकल्पना कश्मीर सिंह की जबकि सेट डिजाइन वेद कुमार था।

हिमाचल सांस्कृतिक शोध संस्थान एवं रंग मंडल द्वारा एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति ब्यूटी पार्लर का मंचन किया गया। यह सुप्रसिद्ध लेखिका रेखा वशिष्ठ द्वारा लिखित कहानी पर आधारित है जिसका सशक्त नाट्य रूपांतरण एवं निर्देशन सीमा शर्मा द्वारा किया गया। यह कथा एक ऐसे व्यक्ति के जीवन को केंद्र में रखती है, जो ब्यूटी पार्लर संचालित करता है। दूसरों के चेहरे संवारते-संवारते वह स्वयं अपनी जीवन-यात्रा के आकर्षण, संवेदनाओं और निजी सपनों से दूर होता चला जाता है। बाहरी सौंदर्य के पीछे छिपे आंतरिक संघर्ष, सामाजिक दिखावे और मानवीय अकेलेपन को नाटक ने अत्यंत संवेदनशीलता और यथार्थपरक ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया। दर्शकों को यह प्रस्तुति समाज के उस द्वंद्व से रूबरू कराती है, जहां व्यक्ति दूसरों के जीवन में चमक भरते-भरते स्वयं भीतर से खाली होता जाता है।

मुख्य भूमिका में कश्मीर सिंह ने ब्यूटी पार्लर के पात्र को अत्यंत जीवंत और प्रभावपूर्ण ढंग से निभाया। श्रीमती हसन - सीमा, मिसेज भार्गव - पूजा चक्रवर्ती, उर्वशी -रिया, बेबी- कामाक्षी, लड़की -प्रीति सूत्रधार के रूप में सचिन, सोफी मैडम- भारती, प्रकाश- दीप कुमार तथा संगीत संयोजन - सचिन द्वारा किया गया। कलाकारों की सामूहिक ऊर्जा और निर्देशक की सूक्ष्म दृष्टि ने दर्शकों को आरंभ से अंत तक बांधे रखा।

इसके अतिरिक्त संवाद युवा मंडल की ओर से अधूरे पन्नेः यादों की चौखट का भी प्रभावी मंचन किया गया। मनजीत मन्ना के निर्देशन में प्रस्तुत यह नाटक उन बुजुर्गों की अंतहीन प्रतीक्षा की कहानी है, जो अपनों के बिछड़ने के बाद भी एक 'अंतिम उम्मीद' के सहारे जी रहे हैं। हर दिन बीतता है, पन्ने पलटते हैं, पर घर लौटने की चाहत आज भी वहीं ठहरी हुई है। इन नाट्य प्रस्तुतियों के चलते संस्कृति सदन कांगनीधार रंगमंचीय गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना है।

विविध विषयों पर आधारित इन सशक्त प्रस्तुतियों ने दर्शकों को कला और संस्कृति से जुड़ने का विशेष अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी, रंगकर्मी रूप उपाध्याय सहित कुलदीप गुलेरिया व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

# हरियाणा-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक: सूरजकुंड से भारत-अफ्रीका सहयोग के नए अध्याय की शुरूआत

## हरियाणा देश का पहला राज्य जिसने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अलग से विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा में औद्योगीकरण और आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में हरियाणाझअफ्रीका रणनीतिक साझेदारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उद्योग, व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में हरियाणा और अफ्रीकी देशों के बीच व्यापक संभावनाओं पर मंथन किया गया। बैठक में 21 अफ्रीकी देशों के राजदूतों और हाई कमिश्नरों सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा नीति-निमार्ताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि सूरजकुंड की पावन एवं सांस्कृतिक धरती से भारतझअफ्रीका साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरूआत हुई है। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला लोक परंपरा, हस्तशिल्प, रचनात्मकता और मानवीय कौशल का वैश्विक मंच है, जो सांस्कृतिक जुड़ाव और आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतझअफ्रीका संबंध समानता, पारस्परिक सम्मान और साझा विकास के सिद्धांत पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हरियाणा राज्य स्तर पर भी अफ्रीकी देशों के साथ दीर्घकालिक और मजबूत संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अलग से विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य कृषि, विनिर्माण, एमएसएमई, फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स और स्टार्टअप के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ विकास इंजन है। एनसीआर से जुड़ाव के कारण राज्य को वैश्विक कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक मजबूती प्राप्त है, जिससे अफ्रीकी देशों के साथ बहु-क्षेत्रीय सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। कृषि को भारतझअफ्रीका सहयोग का प्रमुख क्षेत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि सिंचाई प्रबंधन, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण, कृषि यंत्रीकरण, डेयरी और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन में हरियाणा का अनुभव अफ्रीकी देशों की खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है।

उन्होंने केन्या, तंजानिया, युगांडा, इथियोपिया और रवांडा के साथ संयुक्त खेती, प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। तंजानिया निवेश केंद्र तथा कृषि एवं अन्य संस्थानों के साथ हुए समझौतों से व्यापार, निवेश और कृषि सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर, आईटी, निर्माण, कौशल विकास, स्टार्टअप, फिनटेक और एमएसएमई क्षेत्रों में भी व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और उत्तर अफ्रीकी देशों के साथ क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक और कृषि आधारित साझेदारी विकसित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण और हरित विकास को साझा नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि सौर ऊर्जा, जल प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में संयुक्त प्रयास आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला केवल व्यापार का मंच नहीं,

बल्कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। ह्लजब शिल्प यात्रा करता है, तो संस्कृतियां संवाद करती हैं और साझेदारियां जन्म लेती हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरवीर सिंह ने कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच व्यापारिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-अफ्रीका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 90 से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है, जो दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी को दशार्ता है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत, अफ्रीका से मुख्यतः कच्चा तेल, सोना, कोयला, उर्वरक एवं खनिज आयात करता है, जबकि भारत अफ्रीका को पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स, मशीनरी, चावल तथा इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात करता है। यह व्यापार केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार पा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भारत-अफ्रीका व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हरियाणा से अफ्रीकी देशों को मुख्यतः ऑटो कंपोनेंट्स, ट्रैक्टर एवं कृषि मशीनरी, फार्मा उत्पाद, इंजीनियरिंग गुड्स, प्लाईवुड तथा आईटी सेवाओं का निर्यात किया जाता है। वहीं अफ्रीका से खनिज धातुएं और कुछ कृषि आधारित कच्चा माल आयात किया जाता है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास एवं कार्यबल गतिशीलता भी सहयोग का महत्वपूर्ण आयाम है। बैठक में अरब गणराज्य मिस्र से डालिया एमए तांतावी, मंत्री पूर्णाधिकारी एवं मिशन उप प्रमुख, श्री मोहम्मद इब्राहिम, वाणिज्य दूत एवं वाणिज्य एवं आर्थिक मामलों के प्रमुख, मिस्र दूतावास, ट्यूनीशिया गणराज्य से श्री हम्मादी लूआती, सीडीए (प्रभारित राजदूत), टोगो गणराज्य से श्री यावो एडेम अकपेमाडो, चार्ज डी'अफेयर/मिशन प्रमुख, घाना गणराज्य से प्रो. क्वासी ओबिरी-दानक्वा उच्चायुक्त, घाना व श्री लुइस क्वामे ओबेंग, मंत्री घाना, श्री कोनराड नाना कोजो असीदु, प्रथम सचिव (व्यापार, पर्यटन एवं संस्कृति) / मिशन उप प्रमुख घाना, गिनी गणराज्य से श्री एच. एम. कोंटे अलीसाने, राजदूत, गिनी दूतावास व श्री एम. सिसोको अली बडारा प्रथम सचिव (प्रोटोकॉल), संघीय गणराज्य नाइजीरिया से मुशाबु बशीर सादी, चांसरी प्रमुख इस्लामिक गणराज्य मॉरिटानिया से श्री मोहम्मद एल मुस्तफा सैयदी – वाणिज्य दूत एवं सांस्कृतिक परामर्शदाता, चाड गणराज्य से श्रीमती इदजिमा बद्दा मल्लोत, भारत में चाड की राजदूत, लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो : श्रीमती जोजो बिंटी जोसेफिन, प्रभारी राजदूत, संयुक्त गणराज्य तंजानिया से महामहिम अनीसा कापुफी म्बेगा, उच्चायुक्त, कैमरून गणराज्य से महामहिम (श्रीमती) सिल्वी-मिशेल एमपोन टीएक, प्रभारी राजदूत, श्री एस्सोम्बा जांग यवेस से प्रथम परामर्शदाता, श्री मेंडौगा काउंसलर अधिकारी जिबूती गणराज्य से, दक्षिण सूडान गणराज्य से रवांडा गणराज्य से सुश्री जैकलीन मुकांगीरा से उच्चायुक्त, इरिट्रिया राज्य से श्री तेसफालडेट गेब्रस्लासी गेब्रेब से द्वितीय सचिव, दक्षिण अफ्रीका से श्री पीटर साह्क – (प्रतिनिधि), जिम्बाब्वे गणराज्य : श्री पीटर होबवानी, उप मिशन प्रमुख / चांसरी प्रमुख, मलावी गणराज्य श्री जोसेफ काविंगा से प्रथम सचिव (पर्यटन)प्रतिनिधि, अल्जीरिया, प्रतिनिधि, सूडान मौजूद रहे।

इनके अलावा, श्री विक्रम मिस्त्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, श्री सुधाकर दलेला – सचिव (आर्थिक संबंध), विदेश मंत्रालय, डॉ. नीना मल्होत्रा – सचिव (दक्षिण), विदेश मंत्रालय, श्री सुरेश कुमार एम. संयुक्त सचिव (पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका), विदेश मंत्रालय, श्री सेवला नाइक मुडे अतिरिक्त सचिव (केंद्रीय एवं पश्चिम अफ्रीका प्रभाग), विदेश मंत्रालय, श्री जनेश काइन – संयुक्त सचिव (पूर्वी एवं दक्षिणी अफ्रीका), विदेश मंत्रालय, श्री ए. अजय कुमार संयुक्त सचिव (राज्य प्रभाग), विदेश मंत्रालय भी बैठक में उपस्थित रहे।

# राज्य सरकार के कर्मचारी व गैर डिफाल्टर उपभोक्ता भी 'सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के पात्र

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा सरकार ने 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' नामक एक नई वित्तीय सहायता योजना को स्वीकृति प्रदान की
- योजना के तहत हरियाणा सरकार ने राज्य में 31 मार्च, 2027 तक 2 लाख 22 हजार घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सोलर ऊर्जा के सपने को साकार करने की दिशा में भारत सरकार द्वारा देशभर में ग्रिड से जुड़ी रूफटॉप सोलर (फ्ळ्र) प्रणालियों को बढ़ावा देने हेतु 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री 'सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' का शुभारंभ किया गया। इस योजना को आगे बढ़ाते हुए, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने राज्य में 31 मार्च, 2027 तक 2 लाख 22 हजार घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य तय किया है।

उक्त जानकारी देते हुए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (वल्इश्ठ) के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में रूफटॉप सोलर ऊर्जा को तेजी से अपनाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' नामक एक नई वित्तीय सहायता योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

# राजकीय नेशनल कॉलेज, सिरसा में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
सिरसा

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय केंद्रीय संचार ब्यूरो, हिसार द्वारा आज राजकीय नेशनल कॉलेज, सिरसा में केंद्र सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को ह्वविकसित भारतह्न, ह्वप्रधानमंत्री जन-धन योजनाह्न, ह्वप्रधानमंत्री मुद्रा योजनाह्न तथा ह्वप्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाह्न सहित अन्य योजनाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में राजकीय नेशनल कॉलेज, सिरसा की प्राचार्या डॉ. अनीता मारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी ही सशक्तिकरण का आधार है। युवाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. संजीव गर्ग, मुख्य जिला प्रबंधक (एलडीएम), सिरसा ने केंद्र सरकार की बैंकिंग संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना तथा स्वरोजगार के अवसर सुलभ कराना है। उन्होंने बैंकिंग साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

इस अवसर पर श्रीमती हर्ष बाला, कार्यक्रम अधिकारी, विकसित भारत, सिरसा ने विकसित भारत के अंतर्गत ग्रामीण विकास से संबंधित पहलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय संचार ब्यूरो की सांस्कृतिक टीम द्वारा गीत, नाटक एवं नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही मौखिक प्रश्नोत्तरी, पोस्टर पेंटिंग तथा भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के संचालन में कॉलेज की प्राध्यापिका डॉ. साक्षी महता का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन केंद्रीय संचार ब्यूरो, हिसार के नोडल अधिकारी श्री नीरज महलावत एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। उन्होंने कॉलेज प्रशासन तथा विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

## संक्षिप्त-समाचार

### भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई: एनएचएआई से संबंधित रिश्वत मामले में पटवारी के खिलाफ चालान पेश

**गुरुग्राम।** राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के एक महत्वपूर्ण मामले में आरोपी अनुपम पटवारी, एनएचएआई (डी.सी. रेट) कार्यालय जिला राजस्व अधिकारी, गुरुग्राम के विरुद्ध न्यायालय श्री सौरभ गुप्ता, ए.एस.जे., गुरुग्राम की अदालत में धारा 7 एवं 13(1)(बी) सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत चालान (चार्जशीट) प्रस्तुत किया है। अभियोग के अनुसार शिकायतकर्ता की भूमि, जिसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अधिग्रहित किया गया था, उसके मुआवजे की राशि पारिवारिक हिस्सेदारी के अनुसार बैंक खाते में स्थानांतरित की जानी थी। आरोप है कि उक्त प्रक्रिया को पूरा करने के बदले आरोपी अनुपम पटवारी ने शिकायतकर्ता से 5,000/- राशि मुआवजा ट्रांसफर से पूर्व तथा 5,000/- राशि ट्रांसफर के उपरांत रिश्वत के रूप में मांगी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 48 दिनांक 16.12.2025, धारा 7 एवं 13(1)(बी) सहपठित 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। ब्यूरो ने आमजन से अपील की कि यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी सूचना तुरंत हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो के टोल-फ्री नंबर 1800-180-2022 तथा 1064 पर दें। प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए जनसहयोग अत्यंत आवश्यक है।

### राज्य सरकार के कर्मचारी व गैर डिफाल्टर उपभोक्ता भी 'सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के पात्र

**चंडीगढ़।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सोलर ऊर्जा के सपने को साकार करने की दिशा में भारत सरकार द्वारा देशभर में ग्रिड से जुड़ी रूफटॉप सोलर (फ्ळ्र) प्रणालियों को बढ़ावा देने हेतु 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री 'सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' का शुभारंभ किया गया। इस योजना को आगे बढ़ाते हुए, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने राज्य में 31 मार्च, 2027 तक 2 लाख 22 हजार घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य तय किया है। उक्त जानकारी देते हुए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (वल्इश्ठ) के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में रूफटॉप सोलर ऊर्जा को तेजी से अपनाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' नामक एक नई वित्तीय सहायता योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

### मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गैरतपुर बास पहुंचकर मास्टर छबीलदास श्योराण को दी श्रद्धांजलि

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को गुरुग्राम के गांव गैरतपुर बास में पहुंचकर गावड़ कंस्ट्रक्शन समूह से जुड़े राजेंद्र गावड़िया के पिता मास्टर छबीलदास श्योराण के निधन पर शोक व्यक्त किया और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस भी बंधाया उल्लेखनीय है कि मास्टर छबीलदास श्योराण का 5 फरवरी की सांय निधन हो गया था। वे 86 वर्ष के थे।

### सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से की शिष्टाचार भेंट

**चंडीगढ़।** हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने आज लोकसभा सत्र के दौरान नई दिल्ली स्थित कार्यालय में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में सहकारिता क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा सहकारिता को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुलाकात के दौरान सहकारिता क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण, संस्थागत संरचनाओं के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने सहित किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के समग्र विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा हुई। डॉ. अरविंद शर्मा ने केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मूल्यवान सुझावों के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

### प्रधानमंत्री के बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान से लोगों की सोच में आया बदलाव: कृष्ण बेदी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान चलाकर हरियाणा में कन्या भ्रुण हत्या के कलंक को मिटाने का काम किया है। इस अभियान के फल स्वरूप बेटियों के प्रति लोगों की सोच में बदलाव आया है और लिंगानुपात 820 से बढ़कर 913 का आंकड़ा पार कर गया है। प्रदेश में आज बेटियां शिक्षित और सुरक्षित है तथा महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन रही है जोकि एक गर्व की बात है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी शुक्रवार को करनाल के एक महिला कॉलेज के सभागार में यंग इंडिया एकेडमी द्वारा आयोजित प्रारम्भ स्कॉलरशिप पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने यंग इंडिया की ओर से स्कॉलरशिप व पुरस्कार वितरित किए। श्री बेदी ने कहा कि शास्त्रों में भी लिखा है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते है। हम सब नारी शक्ति का सम्मान करें। नारी ही ऐसी शक्ति है, जो समाज की दिशा और दशा बदलने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत -2047 के सपने को साकार करने में भी नारी शक्ति का अहम रोल रहेगा। आज देश व प्रदेश की बेटियां हर क्षेत्र में आगें बढ़ रही है और सरकार द्वारा बेटियों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है तथा महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वह जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता अभियान के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी भूमिका निभाएं।

# हरियाणा को वित्त वर्ष 2025-26 हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 27 करोड़ की मिली स्वीकृति

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली/चंडीगढ़

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हरियाणा राज्य को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत 27 करोड़ की मातृ स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पूर्व वर्षों की अव्ययित वित्तीय प्रोत्साहन राशि में केंद्रांश के पुनः आवंटन से संबंधित है। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरांत मातृ स्वीकृति जारी की गई है तथा इसे पीएफएमएस पर अपलोड किया गया है, ताकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अनुमन्य व्यय के विरुद्ध निधियों का निर्गमन सुनिश्चित किया जा सके। पूर्व में 2.50 करोड़ की मातृ स्वीकृति जारी की गई थी, जिसका उपयोग न होने के कारण उक्त राशि को अग्रसारित कर दिया गया है। इस प्रकार, चालू वित्त वर्ष में हरियाणा के लिए उपलब्ध कुल प्रभावी मातृ स्वीकृति राशि 29.50 करोड़ हो गई है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देशभर में ग्रामीण सड़कों का तीव्र गति से विकास हो रहा है। ह्वविकसित भारतह्न का संकल्प गांवों के समग्र विकास के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु केंद्र सरकार, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में ग्रामीण आधारभूत संरचना को निरंतर सुदृढ़ बना रही है।

अब तक हरियाणा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 426 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 4,572.101 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन कार्य संपादित किया गया है। इन परियोजनाओं पर कुल 1,54,630.30 लाख की लागत स्वीकृत हुई है, जिसमें 5,957.47 लाख अनुरक्षण व्यय शामिल है। अब तक 1,39,442.93 लाख की राशि का भुगतान किया जा चुका है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सुदृढ़ हुई है, जिससे राज्य में समावेशी एवं सतत ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है। उक्त विस्तृत विवरण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

# ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने मामले में जेई के खिलाफ एफआईआर के दिए आदेश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- परिवहन मंत्री ने राजौंद नगर पालिका में वित्तीय अनियमितता की जांच विजिलेंस से करवाने के निर्देश दिए

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जमीनी विवाद में एक पुलिस कर्मचारी को सस्पेंड करने रिश्वत मांगने के आरोप में एक जेई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए।

उन्होंने राजौंद नगर पालिका में पिछले साढ़े तीन साल में हुए कार्यों में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत की जांच विजिलेंस से भी करवाने के आदेश जारी किए। उन्होंने गांव पाई में आवास योजना के तहत काटी कालोनी में अवैध बोरवेल कनेक्शन करने के मामले में एडीसी की अध्यक्षता में कमेटी गठित करके जांच रिपोर्ट आगामी बैठक में देने के आदेश जारी किए। उन्होंने एक अपात्र व्यक्ति द्वारा विवाह शगुन योजना का लाभ लेने पर उससे रिकवरी के भी आदेश जारी किए। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री ने गांव तितरम निवासी संदीप मलिक व अन्य ने शिकायत में जमीन खरीद मामले की शिकायत पर दर्ज केस को रद्द करवाने में शामिल एक पुलिस कर्मचारी संदीप कुमार को जांच पूरी होने तक सस्पेंड करने के आदेश जारी किए। किठाना निवासी कृष्ण कुमार ने सांघन में उसके रिश्तेदारों के ट्रांसफार्मर को शिफ्ट न किए जाने की एवज में जेई के रिश्वत मांगने की शिकायत पर बिजली निगम के अधिकारियों को उसका ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने और रिश्वत मांगने पर जेई के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

मंत्री अनिल विज ने राजौंद निवासी राकेश राणा की शिकायत पर नगर पालिका राजौंद में पिछले साढ़े तीन सालों में हुए कार्यों में करोड़ों रुपये की वित्तीय गड़बड़ी के मामले की जांच हरियाणा विजिलेंस से करवाने के आदेश जारी किए। पाई निवासी दिलबाग व अन्य की शिकायत पर आवास योजना के तहत मिले प्लाट में छह अवैध ट्यूबवेल कनेकशन हटाने और एडीसी की अध्यक्षता में गठित कमेटी को अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देश दिए।

गांव मालखेड़ी निवासी राहुल को विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की राशि हड़पने की शिकायत पर मंत्री अनिल विज ने जांच अधिकारी को बदलने और आरोपी को तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार करने के आदेश दिए। समिति की बैठक में 15 शिकायतों की सुनवाई की, जिसमें नौ पुरानी व 6 नई शिकायतें शामिल रही।

# केंद्र सरकार ने बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 3,324 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की

**चंडीगढ़।** केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)/ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग के अप्रतिबंधित अनुदान की दूसरी किस्त स्वीकृत एवं जारी की है ताकि जमीनी स्तर पर शासन को और ज्यादा सशक्त एवं आवश्यकता आधारित स्थानीय विकास को सक्षम बनाया जा सके। इस किश्त के अंतर्गत, बिहार को 80,240.00 लाख रुपये (802.40 करोड़ रुपये) प्राप्त हुए हैं, जिससे सभी 38 जिला पंचायतों (डीपी), 533 ब्लॉक पंचायतों (बीपी) और 8,053 ग्राम पंचायतों (जीपी) को लाभ हुआ है, साथ ही 3 ब्लॉक पंचायतों और 7 ग्राम पंचायतों के लिए पहली किश्त के रोके गए हिस्से से 139.10 लाख रुपये (1.39 करोड़ रुपये) की अतिरिक्त राशि जारी की गई है, जो अब इसका पात्र बन चुकी हैं। इसी प्रकार, हरियाणा में पात्र 19 डीपी, 138 बीपी और 6,194 जीपी को कवर करते हुए 19,762.70 लाख रुपये (197.627 करोड़ रुपये) जारी किए गए हैं, साथ ही पहले रोकी गई राशि से अतिरिक्त पात्र 1 डीपी, 4 बीपी और 30 जीपी को 249.80 लाख रुपये (2.50 करोड़ रुपये) जारी किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के लिए, सभी 12 जिला पंचायतों, पात्र 80 ब्लॉक पंचायतों और 3,602 ग्राम पंचायतों के लिए 6,830.03 लाख रुपये (68.30 करोड़ रुपये) जारी किए गए, साथ ही 26 अतरिक्त पात्र ग्राम पंचायतों को 34.53 लाख रुपये (0.35 करोड़ रुपये) भी जारी किए गए। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिला पंचायतों, 826 ब्लॉक पंचायतों और 57,694 ग्राम पंचायतों के लिए 1,55,940.00 लाख रुपये (1,559.40 करोड़ रुपये) जारी किए गए, इसके अलावा, रोके गए हिस्से से 2 डीपी, 13 बीपी और 61 जीपी को 1,101.64 लाख रुपये (11.016 करोड़ रुपये) भी जारी किए गए, जो पात्रता प्राप्त कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल को इसी किस्त के अंतर्गत पात्र 21 डीपी, 335 बीपी और 3,225 ग्राम पंचायतों के लिए 68,085.79 लाख रुपये (680.86 करोड़ रुपये) जारी किए गए हैं। भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए राज्यों को पंद्रहवीं वित्त निधि अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिसे बाद में वित्त मंत्रालय इसे जारी करता है। निर्धारित अनुदान एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में सिफारिश एवं जारी की जाती है। अप्रतिबंधित अनुदान का उपयोग पंचायत राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए किया जाता है, संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित उन 29 विषयों के अंतर्गत जिसमें वेतन और अन्य स्थापना लागत शामिल नहीं हैं।

# सुरक्षा सेवा पोर्टल पर ओटीपी जनरेशन से जुड़ी दिक्कतों को लेकर सरकार के निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- विभाग सुनिश्चित करें अद्यतन और सटीक कर्मचारी डेटा

हरियाणा सरकार ने सुरक्षा सेवा पोर्टल पर ओटीपी जनरेशन और कर्मचारी डेटा से जुड़ी समस्याओं के तत्काल और समयबद्ध समाधान के लिए निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पात्र अनुबंध कर्मचारियों का अद्यतन और सटीक डेटा हरियाणा कौशल रोजगार निगम तथा खजाना एवं लेखा विभाग के डेटाबेस में सुनिश्चित करें, ताकि पात्र कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा का लाभ बिना किसी बाधा के मिल सके।

गौरतलब है कि सरकार ने इससे पहले 30 जनवरी को भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन अब भी कई विभागों और अनुबंध कर्मचारियों से ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि पात्रता मानदंडों को पूरा करने तथा 15 अगस्त, 2024 तक पांच वर्ष की सेवा पूरी होने के बावजूद ओटीपी जनरेट नहीं हो रहा है।

जांच में पाया गया कि ओटीपी जनरेशन में बाधा के प्रमुख कारणों में गलत या बदला हुआ मोबाइल नंबर, फैमिली आईडी में त्रुटि तथा वेतन या मानदेय का संविदा मद के बजाय अन्य मद से भुगतान शामिल हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में प्रशासनिक सचिव, विभागाध्यक्ष या आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) को औपचारिक प्रमाण पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इस प्रमाण पत्र में यह पुष्टि करनी होगी कि संबंधित व्यक्ति वास्तविक अनुबंध कर्मचारी है, उसकी पूरी सेवा का विवरण उपलब्ध है, उसकी नियुक्ति अनुबंध आधार पर हुई है तथा भविष्य में वेतन का भुगतान उचित संविदा मद से सुनिश्चित किया जाएगा। बिना सत्यापन प्रमाण पत्र के किसी भी आवेदन पर हरियाणा कौशल रोजगार निगम और खजाना एवं लेखा विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की जाएगी।

प्रमाणित सूचना प्राप्त होने के बाद हरियाणा कौशल रोजगार निगम और खजाना एवं लेखा विभाग आवश्यक कार्रवाई करते हुए सत्यापित डेटा हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन को भेजेंगे, ताकि ओटीपी प्रक्रिया सक्षम हो सके और पोर्टल का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, जिन मामलों में विभाग, जिला कार्यालय, पद या डीडीओ के नाम सुरक्षा सेवा पोर्टल के ड्रॉप-डाउन मेनू में प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं, उन्हें तत्काल संबंधित प्राधिकरण के संज्ञान में लाकर सुधार कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकार ने दोहराया है कि पार्ट-1 और पार्ट-2 कर्मचारियों के डेटा के प्रबंधन की जिम्मेदारी क्रमशः हरियाणा कौशल रोजगार निगम और ट्रेल्लं एवं लेखा विभाग की है। खजाना एवं लेखा विभाग संबंधित डीडीओ से सत्यापित पार्ट-2 डेटा उपलब्ध कराएगा, जबकि हरियाणा कौशल रोजगार निगम रीयल टाइम सटीक डेटा साझा करेगा, जिससे सुरक्षा सेवा पोर्टल का निर्बाध और सुरक्षित संचालन संभव हो सके।

## संपादकीय

# 'सेवा तीर्थ' से नई शुरुआत: किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए पीएम के बड़े संदेश ने जगाई उम्मीदें

प्रधानमंत्री के नए कार्यस्थल 'सेवा तीर्थ' में स्थानांतरण के साथ प्रशासनिक प्राथमिकताओं में सेवा-केन्द्रित दृष्टिकोण की स्पष्ट झलक दिखाई देने लगी है। नई व्यवस्था में प्रवेश करते ही किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े सकारात्मक संकेतों और घोषणाओं ने नीति विमर्श को नई दिशा दी है। यह घटनाक्रम केवल प्रशासनिक बदलाव का संकेत नहीं है, बल्कि उस व्यापक सोच का प्रतीक भी है जिसमें विकास को महज आर्थिक आँकड़ों तक सीमित न रखते हुए समाज के उत्पादक और वंचित वर्गों को केंद्र में रखा गया है। सकारात्मक दृष्टिकोण से देखें तो यह परिवर्तन शासन को जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक और बहुस्तरीय समाज में जब नीति निर्माण का केंद्र ग्रामीण समुदाय, युवा शक्ति और महिला भागीदारी को बनाया जाता है, तब उसका प्रभाव दूरगामी होता है। इसी परिप्रेक्ष्य में नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सेवा तीर्थ' से शुरू की गई पहल को प्रतीकात्मक और व्यावहारिक दोनों स्तरों पर महत्व दिया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि शासन की भूमिका केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा भाव के साथ उनके प्रभावी क्रियान्वयन तक विस्तारित है। सकारात्मक दृष्टि से यह प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक प्रयास माना जा सकता है। किसानों के संदर्भ में उठाए गए कदमों और संकेतों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन की दिशा में आशाजनक माना जा रहा है। कृषि क्षेत्र अब भी करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है और उत्पादन लागत, बाजार तक पहुंच तथा तकनीकी नवाचार जैसे मुद्दे निरंतर प्रासंगिक बने हुए हैं। समर्थन मूल्य व्यवस्था को मजबूत करने, सिंचाई संरचना के विस्तार, आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहन देने और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने जैसे प्रयास ग्रामीण आय बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाए तो ऐसी पहलों से कृषि को परंपरा और नवाचार के संतुलन के साथ आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक स्थिरता दोनों को बल मिल सकता है। युवाओं के लिए घोषित प्राथमिकताओं को देश के भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। जनसांख्यिकीय दृष्टि से कर्ल्र विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है और यही युवा वर्ग नवाचार, उद्यमिता और विकास की गति तय करता है। कौशल विकास कार्यक्रमों, स्टार्टअप समर्थन, डिजिटल शिक्षा और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना सकारात्मक संकेत देता है कि युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की धुरी के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। यदि इन प्रयासों को व्यवस्थित ढंग से लागू किया जाता है, तो इससे न केवल रोजगार अवसर बढ़ेंगे बल्कि आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता की भावना भी सुदृढ़ होगी। महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर दिखाई गई प्रतिबद्धता सामाजिक संतुलन और समावेशी विकास की दिशा में एक मजबूत संकेत है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, वित्तीय समावेशन और उद्यमिता में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज को अधिक स्थिर और उत्पादक बनाती है। स्वयं सहायता समूहों, छोटे वित्तीय सहयोग कार्यक्रमों और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक भूमिका को सुदृढ़ करने के प्रयास सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। जब महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी मिलती है, तो उसका असर परिवार, समुदाय और व्यापक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। इसलिए यह पहल सामाजिक प्रगति की दिशा में उत्साहजनक मानी जा सकती है। 'सेवा तीर्थ' से घोषणाएं करना केवल प्रशासनिक कदम नहीं बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश भी है। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि शासन का आधार सेवा, समर्पण और जनभागीदारी है। लोकतंत्र में प्रतीकों का महत्व इसलिए भी होता है क्योंकि वे जनता और शासन के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण से देखें तो ऐसे कदम नागरिकों में सहभागिता की भावना को बढ़ा सकते हैं और शासन के प्रति विश्वास को सुदृढ़ कर सकते हैं।इन पहलों का प्रभाव केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी इसकी प्रतिध्वनि सुनाई देती है। जब कोई देश सामाजिक समावेशन और संतुलित विकास को प्राथमिकता देता है, तो उसकी वैश्विक छवि मजबूत होती है। समावेशी विकास की दिशा में उठाए गए कदम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नीति निर्माण के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इससे आर्थिक सहयोग, निवेश आकर्षण और कूटनीतिक संबंधों को भी सकारात्मक बल मिल सकता है।समग्र रूप से देखा जाए तो 'सेवा तीर्थ' से शुरू हुई पहल एक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है जिसमें किसानों की आय वृद्धि, युवाओं के अवसर विस्तार और महिलाओं की भागीदारी को विकास की धुरी बनाया गया है। यह दृष्टिकोण केवल नीति निर्माण तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और आर्थिक संतुलन की दिशा में भी योगदान दे सकता है। आने वाले समय में इन घोषणाओं के प्रभाव का आकलन उनके व्यावहारिक परिणामों के आधार पर होगा, लेकिन प्रारंभिक संकेत सकारात्मक संभावनाओं की ओर इशारा करते हैं। लोकतंत्र में जनअपेक्षाएं निरंतर विकसित होती रहती हैं और सरकारों के लिए चुनौती होती है कि वे इन अपेक्षाओं को अवसर में बदल सकें। सेवा-भाव पर आधारित प्रशासनिक दृष्टिकोण यदि ठोस परिणाम देता है, तो यह जनविश्वास को और अधिक मजबूत कर सकता है। सकारात्मक संदर्भ में 'सेवा तीर्थ' से आरंभ हुई यह प्रक्रिया शासन और समाज के बीच संवाद, सहयोग और विकास की नई संभावनाओं का द्वार खोलती हुई प्रतीत होती है। यह पहल केवल नीतिगत बदलाव नहीं बल्कि समर्पण, सेवा और सहभागिता पर आधारित विकास दृष्टि का प्रतीक बनकर उभर सकती है।

# मोबाइल फोबिया: मानसिक बीमारियों का बढ़ता खतरा

डॉ. रमेश ठाकुर

मोबाइल फोन ने इंसानों को वास्तविक जीवन से काट कर आभासी दुनिया की तरफ धकेल दिया है। नई रिसर्च ने चेतावनी दी है कि अगर शरीर को सुरक्षित रखना है तो मोबाइल की लत से तौबा करना होगा। मोबाइल के नकारात्मक पहलुओं में विस्तार हुआ है। आसान भाषा में कहें तो जितना स्क्रीन टाइम, उतना बड़ा नुकसान। क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग और क्या औरत व मर्द, सभी मोबाइल के चुंगल में जकड़ चुके हैं। जिसका नतीजा है कि अब ऐसे दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। लंबे समय तक स्क्रीन से चिपके रहने से आंखों की रोशनी का कम होना, शारीरिक गतिविधियों का बिगड़ना जैसी बातें तो सुनी थी लेकिन चिकित्सा तंत्र की नई रिसर्च रिपोर्ट के खुलासे ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं। रिसर्च बताती है कि मोबाइल या स्क्रीन के अत्यधिक प्रयोग ने कई नई किस्म की बीमारियों का खतरा बढ़ा दिया है जिससे दृष्टि हानि, मांसपेशियों और हड्डियों से संबंधित विकार, नए किस्म के कैंसर और मोटापा जैसी दीर्घकालिक समस्याओं का पता चला है। खतरनाक बात यह है कि जिन 10 देशों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है, उनमें भारत भी है।

रिपोर्ट ने स्मार्टफोन को सिरहाने रखकर सोने को सबसे अधिक खतरनाक बताया है। जिन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है कि जेब में रखा फोन वाइब्रेट कर रहा है या बज रहा है। पर, चेक करने पर न कोई कॉल और न कोई मैसेज होता है। अगर ऐसा किसी भी मोबाइल धारक को एहसास होता है तो सतर्क होने की जरूरत है क्योंकि यह एक नई मानसिक बीमारी की दस्तक है। इसे 'फोन फोबिया' या 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। भारत में इस बीमारी की गिरफ्त में आए लोगों की एक बड़ी संख्या है, जिनमें 14 से 17 वर्ष के बीच के नाबालिग ज्यादा हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चे और युवा पीढ़ी इस समस्या में सर्वाधिक फंसा है। रिपोर्ट की मानें तो ये खतरनाक मानसिक संकट भविष्य के लिए चुनौती से कम नहीं।

सेलफोन विकिरण से अब लोगों की ग्रैनुलोसा कोशिकाएं सूखने लगी हैं। गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के आसपास पानी की मात्रा में कमी और एएलटी-एएसटी का स्तर बढ़ना भी रिपोर्ट में बताया गया है। डब्ल्यूएचओ की मानें तो पिछले 4 वर्षों में विभिन्न प्रकार के कैंसर इंसानों में पाए जाने लगे हैं, क्या उनका संबंध मोबाइल से है? इसकी पड़ताल के लिए दुनिया भर में बड़े स्तर पर अध्ययन किए जा रहे हैं। मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडियो फ्रिक्वेंसी तरंगें ब्रेन ट्यूमर और कैंसर का कारण भी बनने लगी हैं।

सालाना मोबाइल फोबिया के 6 लाख से ज्यादा शिकार देशभर के अस्पतालों में भर्ती होते हैं। विश्व का आंकड़ा करोड़ों में है। बढ़ती समस्या के बाद नौबत ऐसी आ चुकी है कि विभिन्न प्रदेशों के मुखिया अपने प्रदेशवासियों से कम मोबाइल इस्तेमाल और सर्तकता बरतने का आह्वान करने लगे हैं। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को युवाओं के नाम एक सार्वजनिक खत लिखना पड़ा। जागरूकता फैलाने के लिए बकायदा अखबारों में इश्तहार भी सरकार को देने पड़े। जन स्वास्थ्य की परवाह के लिए केंद्र से लेकर प्रत्येक राज्य सरकारों को ऐसा कदम उठाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि तकनीक का प्रयोग युवा पीढ़ी शिक्षा और व्यक्ति विकास के लिए करें, न कि आदत और लत के लिए। गाजियाबाद जिला अस्पताल की ओर से एक सर्वे बीते माह जनवरी में करवाया गया था जिसमें 70-75 फीसदी युवाओं ने माना कि वो प्रत्येक 4 या 5 मिनट में अपना मोबाइल देखते हैं, जिसमें 40 फीसदी ने यह भी स्वीकारा कि ज्यादा देर तक मोबाइल नहीं देखने पर उन्हें बेचैनी, अनिद्रा और चिड़चिड़ापन का एहसास होने लगता है।

मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की सलाह है अगर मोबाइल फोबिया से खुद को बचाना है तो मोबाइल के प्रयोग का वक्त तय करें, सोने से पहले फोन का इस्तेमाल कतई न करें और गैरजरूरी नोटिफिकेशन को नजरअंदाज करते रहें। इसके अलावा ट्रैकर का उपयोग करना चाहिए। अलार्म के लिए फोन की जगह घड़ी का उपयोग किया जाए। एक्टिविटी जरूर बढ़ाएं, खाली समय में किताबें पढ़ें, व्यायाम करें या मित्रों-परिजनों से बात करें। लत अगर बहुत अधिक है तो बिना देर किए किसी एक्सपर्ट से सलाह लेने में बिल्कुल भी न हिचकिचाएं। विशेषज्ञों की मानें तो वयस्कों के लिए 2-3 घंटे और बच्चों-किशोरों के लिए 2 घंटे तक ही एक दिन में मोबाइल चलाना चाहिए।

निश्चित रूप से तकनीक इंसानों पर पूरी तरह से हावी हो चुकी है। सभी जानते हैं तकनीकों का इस्तेमाल जितना फायदे के लिए होता हैं, उससे कहीं अधिक उसका दुरूपयोग होता है। लेकिन फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' महज बीमारी नहीं बल्कि एक चेतावनी भी है। यह वर्चुअल दुनिया से बाहर निकल कर हकीकत में जीने की जरूरत को दशार्ता है। पर, तकनीकी दुनिया में अब ऐसा संभव नहीं। मोबाइल पर अगर जरा भी प्रतिबंध की बात उठेगी तो उसके विरोध में लोग खड़े हो जाएंगे। समस्या ऐसी है जिससे खुद को निपटना होगा। तय हमें करना है कि हम मोबाइल को चलाएंगे या मोबाइल हमें चलाएगा।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

## आज का राशिफल

**मेष:** आज आपकी किसी पुरानी इच्छा के साकार होने की संभावना बन रही है। मित्रों के साथ घूमने-फिरने या छोटी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार और विशेषकर बच्चों के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा, हालांकि पिता से किसी बात पर मन खिन्न हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

**वृषभ:** आज घर पर मित्रों का आगमन वातावरण को आनंदमय बना सकता है। अचानक सामने आने वाले खर्चों से बजट प्रभावित हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतें। वैवाहिक रिश्तों में संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

**मिथुन:** नए व्यवसाय की शुरूआत के लिये दिन अनुकूल संकेत दे रहा है। राजनीति से जुड़े लोगों को जिम्मेदारी या पद में उन्नति मिल सकती है। दांपत्य जीवन में तालमेल मजबूत रहेगा और आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

**कर्क:** कामकाज में उम्मीद से अधिक आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। अधिकारी वर्ग का सहयोग आपको आगे बढ़ने में मदद करेगा। किसी पर भी जल्द भरोसा करने से बचें। आर्थिक उतार-चढ़ाव में स्थिरता आएगी और कार्य व्यवस्थित रूप से पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*

**सिंह:** जटिल परिस्थितियों को समझदारी से सुलझाने में सफलता मिलेगी। बच्चों की आवश्यकताओं पर खर्च करना पड़ सकता है। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। अपनी क्षमताओं को निखारने की दिशा में प्रयास बढ़ाएंगे, वहीं कुछ महिलाएँ करियर से जुड़ी चिंताओं से घिरी रह सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

**कन्या:** दिन की शुरूआत थोड़ी धीमी या कमजोर रह सकती है और व्यापारिक गतिविधियाँ अपेक्षा से कमजोर रहेंगी। पैरों में दर्द या शारीरिक असुविधा परेशान कर सकती है। प्रेम संबंधों में चल रही गलतफहमियों को सुलझाने का उचित समय है। *(सिटी दर्पण)*

**तुला:** अनावश्यक चिंताओं से दूरी बनाए रखें। छोटी दूरी की यात्रा के योग बन सकते हैं। प्रबंधन से जुड़े लोगों की जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती हैं। व्यवसाय में बदलाव करने की योजना सफल हो सकती है और नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

**वृश्चिक:** नए काम की शुरूआत में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन नई तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा। संपत्ति में निवेश के लिये दिन अनुकूल संकेत दे रहा है। भविष्य को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध निवेश कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

**धनु:** व्यापार विस्तार के लिये निवेश का निर्णय ले सकते हैं। जीवनसाथी का स्नेहपूर्ण व्यवहार दिन को खास बना देगा। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक न होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना उचित रहेगा। विद्वानों या अनुभवी लोगों से संपर्क बढ़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

**मकर:** जीवनसाथी के साथ विचारों में मतभेद रह सकते हैं, इसलिए संयम से संवाद करें। विवादास्पद मामलों में प्रतिक्रिया देने से बचें। विदेश में रह रहे मित्रों से बातचीत हो सकती है। करीबी लोगों से अनबन की आशंका है। *(सिटी दर्पण)*

**कुंभ:** दिन की शुरूआत सकारात्मक रहेगी। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं लेकिन आपका नुकसान नहीं कर पाएंगे। घर की सजावट या बदलाव से जुड़े काम पूरे होंगे। नए कार्यों की शुरूआत के लिये समय उपयुक्त है और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

**मीन:** कानूनी मामलों में सफलता के संकेत हैं। व्यापार में अच्छी बिक्री से उत्साह बढ़ेगा। माता-पिता के साथ संबंध मधुर रहेंगे और पारिवारिक वातावरण संतोषजनक रहेगा। अपने सिद्धांतों में व्यावहारिक बदलाव कर सकते हैं तथा परिजनों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

# भारत एआई अनुप्रयोग भंडार - प्रभाव के लिए संदर्भ-नवाचार के पैमाने का विस्तार

भारत में एआई की अंतिम सफलता इसके जीपीयू क्लस्टरों के आकार से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि हमारे एआई अनुप्रयोग नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में कैसे सुधार ला सकते हैं - उदाहरण के लिए, जब एआई आशा कार्यकताओं को उच्च जोखिम वाली गर्भवती स्त्रियों का पता लगाने में मदद करता है, या छोटे किसानों को कीटनाशक की खपत पर महत्वपूर्ण कमी लाने में मदद करता है, या एक दूर-दराज स्थित सरकारी स्कूल के बच्चे की पढ़ाई और गणित में अंक बढ़ाता है।

दयासिंधु

श्री ऋषिकेश टी कृष्णन

आर्थिक सर्वेक्षण 2026 इस बात में व्यावहारिक है कि भारत एआई का लाभ कैसे उठा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय एआई आर्थिक परिषद ने प्रस्ताव किया है कि एआई का प्रमुख उद्देश्य मानव प्रधानता और आर्थिक हित पर आधारित है। इस बात में स्पष्टता है कि राष्ट्रीय स्तर पर एआई अपनाने की नीति को मानव कल्याण और आर्थिक समावेश में सहायक होना चाहिए। एआई को घरेलू आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और एआई अपनाने के लाभ अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों और सभी नागरिकों तक पहुँचने चाहिए।

सौभाग्य से, हमारे लिए, भारतीय नवोन्मेषक ऐसे एआई अनुप्रयोगों को आगे बढ़ा रहे हैं, जो उन सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल करते हैं, जो तात्कालिक तौर पर और भारत के संदर्भ में प्रासंगिक हैं। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, शहरी प्रबंधन और आपदा तैयारी से जुड़े अनुप्रयोग आशाजनक हैं। सही समर्थन के साथ, इनमें से कई अनुप्रयोगों का पूरे भारत में विस्तार किया जा सकता है और भविष्य में इन्हें भारत एआई अनुप्रयोग भण्डार में शामिल किया जा सकता है, और यहां तक कि इन्हें वैश्विक बाजारों में भी ले जाया जा सकता है। आइए कुछ रोचक पहलों पर नजर डालें।

स्वास्थ्य देखभाल: निरामई ने बिना किसी दवा-सुई वाला (नॉन-इनवेसिव), गोपनीयता के प्रति जागरूक स्तन कैंसर जांच उपकरण विकसित किया है, जो पारंपरिक मैमोग्राफी के बजाय एआई-संचालित थर्मल इमेजिंग का उपयोग करता है। यह उपकरण सभी उम्र की महिलाओं में असामान्य स्थिति का शीघ्र पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें घने स्तन ऊतक भी शामिल हैं जहां मैमोग्राफी अक्सर विफल हो जाती है। यह आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने लायक और किफायती है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जांच को व्यावहारिक बनाता है। Qure.ai एक एआई उपकरण है, जो सेकंडों में एक्स-रे और सीटी स्कैन का विश्लेषण करता है, टीबी, फेफड़ों के कैंसर और दिल की समस्या जैसी 35 से अधिक स्थितियों का पता लगाता है। यह समाधान संसाधन-सीमित परिस्थितियों में बहुत प्रभावी है जहां रेडियोलॉजिस्ट अनुपलब्ध हैं तथा दूरदराज के जिलों में तेजी से प्राथमिक परीक्षण और उपचार की सुविधा प्रदान करते हैं। एआईस्टेथ, एक एआई-संचालित स्टेथोस्कोप, हृदय और फेफड़ों की आवाजों को सटीक, दूरस्थ निदान के लिए दृश्य तरंग रूपों में बदल देता है। यह किफायती उपकरण 93% सटीकता के साथ ग्रामीण भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को शुरूआती दौर में ही हृदय और श्वसन समस्याओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है। यह विशेषज्ञ देखभाल में मौजूद महत्वपूर्ण कमी को समाप्त करता है और इसमें भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की क्षमता है।

कृषि: न्योपर्क एक हल्का-फुल्का उपकरण है, जो इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पारंपरिक लैब रसायनों के बिना तुरंत मिट्टी के स्वास्थ्य का विश्लेषण करता है। यह पांच मिनट से कम समय में 12 प्रमुख मृदा-मानकों पर लैब-सटीक परिणाम प्रदान करता है। यह किसानों को उर्वरक के उपयोग पर डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है और इनपुट खर्च में कमी आती है। वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता संस्थान का कॉटनऐस एक एआई -आधारित मोबाइल ऐप है जो किसानों को जाल में पकड़े गए कीड़ों के फोटो अपलोड करने की सुविधा देता है और कीटनाशक के उपयोग को लेकर तत्काल, स्थान-अनुकूल सलाह प्राप्त करता है। यह ऐप हजारों छोटे कपास किसानों को पिंक बुलवर्म जैसे कीड़ों से अपनी फसल की रक्षा करने में मदद करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता की फसल मिलती है और आय में वृद्धि होती है। निको रोबोटिक्स एआई -संचालित रोबोट का उपयोग करता है, जो कंप्यूटर विजन (दिन और रात वाले कैमरे) से लैस हैं, ताकि वास्तविक समय में कीड़े और खरपतवार की पहचान की जा सके। यह प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव को सक्षम बनाता है तथा इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि रसायनों का उपयोग केवल आवश्यक जगहों पर ही किया जाएगा। इससे कीटनाशकों के उपयोग में महत्वपूर्ण कमी आई है (कुछ मामलों में 60-90% तक), जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण विषाक्तता कम होती है। क्रॉपिन एक एआई-सक्षम डिजिटल इकोसिस्टम है जो खेत की निगरानी, क्रेडिट जोखिम विश्लेषण और किसान सहभागिता तक फैला हुआ है। यह स्थायी उत्पादकता और जलवायु-अनुकूल निर्णयों को बढ़ावा देता है, हिस्सों में बंटी प्रथाओं को अनुमान-योग्य कृषि प्रणालियों में बदल देता है, जिसका वैश्विक स्तर विस्तार किया जा सकता है।

शिक्षा: पढ़ाईविदएआई एक एआई-संचालित व्यक्तिगत ज्ञान-प्राप्ति प्लेटफार्म का उपयोग करता है, जिसे सरकारी स्कूलों में गणित सीखने के कमजोर परिणामों में को सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। केवल छह सप्ताह में, इस पहल ने उत्तीर्ण होने की दर और उच्च-प्राप्त करने वालों के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार किया। यह ग्रामीण भारतीय शिक्षा में सीखने के अंतर को पाटने के लिए एक ऐसे मॉडल के रूप में काम करता है, जिसके पैमाने का विस्तार किया जा सकता है। राकेट लर्निंग के पास अप्पू (एक जनरेटिव एआई हाथी) नामक एआई संचालित शिक्षा साथी है, जो माता-पिता और बच्चों के साथ व्हाट्सएप के जरिए संवाद करता है। यह छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आधारभूत साक्षरता और अंकगणित कौशल प्राप्त करने में मदद करने के लिए छोटे-छोटे, खेल-आधारित गतिविधियाँ प्रदान करता है। बेलगावी स्मार्ट सिटी अपने सार्वजनिक पुस्तकालय में डीप लर्निंग-सक्षम ई-बुक्स को एकीकृत कर रहा है। उपयोगकर्ता के व्यवहार का विश्लेषण करने और कहानी की रूपरेखा, शब्दावली और कठिनाई स्तर को वास्तविक समय में अनुकूलित करने के लिए डिजाइन की गई इन किताबों ने सहभागिता और समझ के स्तर में सुधार किया है। केवल दो सप्ताह में पढ़ने की गति में 12% वृद्धि हुई है।

सरकार इन जमीनी स्तर पर केंद्रित एआई नवाचारों के लिए एक शक्तिशाली इकोसिस्टम आयोजक बन सकती है और इन्हें पूरे भारत में उच्च-प्रभाव वाले अनुप्रयोगों तक विस्तार करने में मदद कर सकती है। सरकार का एक मुख्य ध्यान इन एआई अनुप्रयोगों के लिए बाजार बनाने में सहायता करना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, सरकार खरीद की सुविधा प्रदान कर सकती है, जहां सूचीबद्ध घरेलू एआई अनुप्रयोग सरकार (राज्य सरकार सहित) के विभागों, अस्पतालों, स्कूलों आदि के लिए समाधान प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा आदि में एआई के लिए मानक स्थापित करके, सरकार एक विश्वसनीय वातावरण बना सकती है, ताकि ग्राहक और नागरिक इन्हें आसानी से अपना सकें।

एक बार जब ये एआई अनुप्रयोग खुद को साबित कर लेते हैं, तो सरकार सबसे प्रभावशाली अनुप्रयोगों को भारत एआई अनुप्रयोग भंडार में एकीकृत करने में सुविधा प्रदान कर सकती है - यानी, ऐसे समाधान जो भारत के पैमाने और विविधता के लिए बनाए गए हैं और विश्व स्तर पर उपयोग करने के लिए तैयार हैं। हम ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन एआई जैसे प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय एआई अनुप्रयोग भंडार के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय शासन रूपरेखा, जो यूरोपीय जीडीपीआर जैसी अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखाओं के साथ मेल खाती हो, इस भंडार को कई देशों में तुरंत शुरू करने (प्लग-एंड-प्ले) के योग्य बना सकता है।

**(ऋषिकेश टी कृष्णन आईआईएम बैंगलोर में रणनीति के प्रोफेसर हैं। एन दयासिंधु इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल के सह-संस्थापक और सीईओ हैं।)**

# बांग्लादेश में नई सरकार, भारत को क्या दरकार

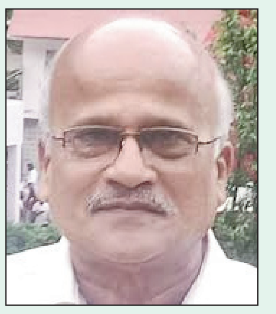

डॉ. प्रभात ओझा (हि.स)

बांग्लादेश में चुनाव नतीजों से साफ हो गया कि वहां बीएनपी की सरकार होगी और तारिक रहमान देश के नये प्रधानमंत्री होंगे। किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में यह सहज ही है कि आंतरिक और बाह्य राजनीतिक ताकतें चुनाव परिणाम को सकारात्मक ढंग से लें। बांग्लादेश के लिए भी यह परंपरा मान्य होनी चाहिए, हालांकि इसको लेकर कुछ संशय चुनाव के साथ ही शुरू हो चुके हैं। इसे समझने के लिए दो बिंदुओं पर विचार करना होगा। पहला यह कि चुनाव प्रक्रिया पर देश के अंदर से ही सवाल उठाये गये हैं। दूसरा बिंदु पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में आश्रय लेना है। यह स्थिति सामान्य नहीं कही जा सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी बांग्लादेश में बैन कर दी गई। फिर जिन्होंने चुनाव में हिस्सा लिया, वे ही निर्वाचन प्रक्रिया से ही संतुष्ट नहीं हैं। भारत के लिए तो यह निर्वाचन इसलिए मायने रखता है कि प्रधानमंत्री के रूप में जो नेता उसके अनुकूल रहीं, उन्हें बांग्लादेश से निर्वासित होकर आना पड़ा। बात इतनी ही होती तो चिंता न होती। उन्हें शरण देने के पहले से ही बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल रहा है।

फिलहाल तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत पर पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान को बधाई दी। उन्होंने इसे रहमान के नेतृत्व पर बांग्लादेश की जनता का भरोसा बताया। मोदी ने खुद भरोसा दिया कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। उन्होंने दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक रहमान के साथ काम करने के लिए उत्सुकता जताई।

स्वाभाविक कि एक बड़े लोकतांत्रिक देश और पड़ोसी होने के नाते भारत यह रुख अपनाये। इसके विपरीत हाल के घटनाक्रम आगे की राह आसान नहीं होने के ही संकेत देते हैं। भारत के राजनयिक पड़ोस में हो रहे चुनाव के दौरान जमात-ए-इस्लामी के प्रदर्शन पर नजर रखे हुए थे। भारत का मानना रहा है कि बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रभाव में रहती है। जमात इस चुनाव में अपने को सत्ता हासिल करने के करीब मानकर चल रहा था। उसने 11 दलों के साथ गठबंधन बनाया था। स्वाभाविक है कि ये छोटे दल हैं और पूरी तरह से जमात की ही पकड़ में रहे हैं। जमात ने चुनाव प्रचार के दौरान अपने भारत विरोधी रुख को छिपाया भी नहीं। अब हार के बाद उसकी हताशा चुनाव प्रक्रिया पर सवाल के रूप में सामने आई है। यहीं नहीं, साल 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन करने वाली नेशनल सिटीजन्स पार्टी ने भी चुनाव नतीजों में हेरफेर के आरोप लगाये हैं।

सच है कि बांग्लादेश में अति कट्टरपंथियों की हार खुद अपने लोगों और भारत के अनुकूल है। जिस तरह के हालात से बांग्लादेश गुजरा है, नई सरकार को स्थिति सामान्य करने में समय लगेगा। शेख हसीना के देश से बाहर आ जाने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बना माहौल भारत के खिलाफ ही रहा। हालात यह हो चले थे कि हिन्दू नागरिकों की लींचिंग के दौरान हत्या तक हुई। यह वही क्षेत्र है, पूर्वी पाकिस्तान के रूप में जहां लोकतांत्रिक आंदोलन को भारत ने न सिर्फ समर्थन दिया बल्कि बांग्लादेश के उदय में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश के नायक शेख मुजीब की हत्या के बाद से भारत को अपने इस पड़ोसी के साथ रिश्तों को लेकर सजग रहना पड़ा है। सुरक्षा सहयोग, विदेश नीति और आर्थिक साझेदारी के बूते भारत ने इसे सम्भाले रखा।

यह भी देखना होगा कि जिस पाकिस्तान से निकल कर बांग्लादेश अस्तित्व में आया, शेख हसीना के दौर में वहां पाकिस्तान की दाल नहीं गली। पाकिस्तान अब बांग्लादेश में भारत विरोधी रुख बने रहने की उम्मीद ही नहीं, कोशिश भी करेगा। शेख हसीना के हटने के बाद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में उसे अपने मकसद में कामयाबी मिलती दिखी। यूनुस पाकिस्तान के साथ रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में तेजी से चल रहे थे।

देखना होगा कि अब जबकि बीएनपी सत्ता में होगी, चीन के साथ ही पाकिस्तान के साथ वह अपने रिश्ते कैसा रखती है। भारत ने तो शेख हसीना को शरण देने के साथ बीएनपी से भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बीमार होने पर चिंता जताना और उनके निधन के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर का उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने को खास माना जा सकता है। खुद खालिदा जिया के शासनकाल में भारत का उनके देश के साथ रिश्ते को बहुत अच्छा नहीं, तो खराब भी नहीं कह सकते। तारिक रहमान उन्हीं के बेटे हैं, युवा हैं, अभी पिछले साल के अंत में ही लंबे समय बाद स्वतः निर्वासन की स्थिति से लौटे हैं। उम्मीद की जाती है कि वे भारत से अपने देश के रिश्तों को बदलती दुनिया के हिसाब से देखेंगे। हमेशा की तरह भारत तो बेहतर रिश्ते ही चाहेगा।

**(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)**

# साढ़े बुजुर्ग साढां मान मुहिम के अंतर्गत जिला स्तरीय सेहत कैंपों में लगभग 9 000 सीनियर नागरिक हुए रजिस्टर्डः डॉ.बलजीत कौर

## भगवंत मान सरकार ने राज्य कार्य योजना के अंतर्गत सीनियर नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए 7.86 करोड़ रुपए किए अलाट

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार सीनियर नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को यकीनी बनाने के उदेश्य से जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के द्वारा उनकी भलाई प्रति अपनी वचनबद्धता को लगातार ओर मजबूत कर रही है ।ह्यसाढ़े बुजुर्ग साढ़ा मान' मुहिम सूबा स्तरीय पहुंच के विवरन सांझा करते सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डा.बलजीत कौर ने कहा कि यह पहलकदमी पंजाब की बुजुर्ग आबादी का सम्मान और सहायता करने प्रति राज्य सरकार की जन-समर्थकीय पहुंच को दशार्ती है ।

मंत्री डा.बलजीत कौर ने कहा कि मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार सीनियर नागरिकों को समाज की कीमती संपत्ति मानती है और उनके सेहत, सुरक्षा और मान- सम्मान को यकीनी बनाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी और लोक- केंद्रित कदम उठा रही है ।ह्यसाढ़े बुजुर्ग साढ़ा मान'के अंतर्गत, अब तक लगभग 9,000 सीनियर नागरिक रजिस्टर्ड हुए है और उनको राज्य भर में लगाए गए जिला-अनुसार स्वास्थ्य कैंपों से सीधे तौर पर लाभ मिला है।

पंजाब के सामाजिक सुरक्षा और महिला एंव बाल विकास मंत्री ने मुहिम के प्रभावी नतीजों को उजागर करते हुए विस्थारित आंकड़े सांझा किए। डा. बलजीत कौर ने बताया कि रजिस्टर्ड लाभपातरियों में से 2,268 सीनियर नागरिकों ने आम स्वास्थ्य जांच, 1 241 ने आरथोपीडिक और 2 607 सीनियर नागरिकों ने आंखों की जांच करवाई। इसके इलावा 631 सीनियर नागरिकों ने योगा सैशन में हिस्सा लिया, 551 ने होम्योपैथिक इलाज करवाया और 791 ने आयुर्वैदिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। यह आंकड़े पंजाब भर में मुहिम की व्यापक पहुंच और प्रभावी लागूकरन को दशार्ते है।

अन्य भलाई सेवाओं के बारे में विस्तार में बताते कैबिनेट मंत्री ने बताया कि ए.एल.आई.एम.सी.ओ. स्कीम के अंतर्गत, 243 सीनियर नागरिक रजिस्टर किए गए थे, जिनमें से 89 को व्हीलचेयर, ऐनकों और सुनने वाली मशीनों जैसे सहायक उपकरण प्रदान किए गए थे। इसके इलावा कैंपों दौरान 233 सीनियर नागरिकों के बुढापा पैंशन फार्म भरने सम्बन्धित प्रक्रिया की गई और 306 लाभपातरियों को सीनियर सिटीजन कार्ड जारी किए गए।

जिला अनुसार विवरण देते हुए मंत्री डा. बलजीत कौर ने बताया कि श्री अमृतसर साहिब, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, फिरोजपुर, फाजिल्का, होशियरपुर, लुधियाना, श्री मुक्तसर साहिब, मोगा, मानसा,

पटियाला, रूपनगर और एस.ए.एस. नगर जिलों में पहले ही सीनियर नागरिकों के लिए सेहत जांच कैंप सफलतापूर्वक लगाए जा चुके है। जिला अनुसार स्वास्थ्य जांच कैंप पड़ाव अनुसार ढंग के साथ लगाए जा रहे है और फरवरी महीने दौरान पंजाब के सभी जिलों में यह कैंप लगाए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि इन स्वास्थ्य कैंपों में बुजुर्ग नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी को यकीनी बनाने के लिए फरीदकोट, गुरदासपुर, पठानकोट, जालंधर, कपूरथला, मलेरकोटला, शहीद भगत सिंह नगर, संगरूर और तरनतारन जिलों में भी कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों को जल्द से जल्द लगाने के लिए

- स्वास्थ्य जांच से ले कर सहायक उपकरण मुहैया करवाना भगवंत मान सरकार का बुजुर्गों के मान-सम्मान और देखभाल को यकीनी बनाती हैः डा.बलजीत कौर
- डा.बलजीत कौर ने राज्य के परिवारों को अपने बुजुर्गों को स्वास्थ्य कैंप के लाभ प्राप्त करना यकीनी बनाने की अपील
- मान सरकार सीनियर नागरिकों की सेहत, मान और अधिकारों प्रति वचनबद्धः डा.बलजीत कौर

सभी जरुरी प्रबंध किए जा रहे है।

इस पहलकदमी के वित्तीय फंडों के बारे में बताते हुए डा. बलजीत कौर ने बताया कि ह्यसाढ़े बुजुर्ग साढ़ा मान' मुहिम के अंतर्गत, सीनियर सिटीजनज के लिए राज्य कार्य योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय सेहत कैंपों और सबंधित गतिविधियों के लिए 7. 86 करोड़ रुपए के बजट का उपबंध किया गया है। यह कैंप न केवल डाक्टरी जांच प्रदान करते हैं बल्कि मोतियाबिन्द सर्जरी, सहायक उपकरणों की मुफ़्त बांट, बुढापा पैन्शन फार्म भरने, सीनियर सिटिजन कार्ड जारी करने और सीनियर नागरिकों के कानूनी और सामाजिक अधिकारों बारे जागरूकता की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

बुजुर्गों की देखभाल के भावनात्मक और सामाजिक महत्व को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि बुजुर्ग नागरिक समाज की जीवंत विरासत हैं, जिनके अनुभव सीध और कुर्बानियों ने युवा पीढ़ीयों को आकार दिया है। मान सरकार का मानना है कि बुजुर्गों की देखभाल करना केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक नैतिक फर्ज है और 'हमारे बुजुर्ग, हमारा मान' जैसी पहलकदमियां सरकार के इस संकल्प को दशार्ती है कि हर सीनियर नागरिक देखभाल और सम्मान के साथ अपना जीवन जी सके।

राज्य भर के परिवारों से अपील करते मंत्री डा. बलजीत कौर ने कहा कि मैं परिवारों से अपील करती हूं कि वह अपने बुजुर्गों को इन सेहत कैंपों में लेकर आए, जिससे अधिक से अधिक सीनियर नागरिक पंजाब सरकार की भलाई पहलकदमियों का लाभ उठा सकें।बताने योग्य है कि सीनियर नागरिकों की सेहत और तंदरुस्ती को यकीनी बनाना भगवंत मान सरकार की जनतक सेवा प्रति वचनबद्धता को दशार्ता है।

# एमएलए कुलवंत सिंह द्वारा कच्चे मकानों को पक्का करने के लिए करीब एक करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्रों का वितरण

सिटी दर्पण संवाददाता
साहिबजादा अजीत सिंह नगर

हल्का मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह द्वारा आज कच्चे मकानों को पक्का करने के लिए करीब एक करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्र लाभार्थी परिवारों को वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार गरीब व जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सिर पर छत उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने बताया कि आज रंगला पंजाब योजना के तहत 18 परिवारों को 36 लाख रुपये तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 39 परिवारों को लगभग 64 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। विधायक ने बताया कि रंगला पंजाब योजना के अंतर्गत मोहाली हल्के के 32 जरूरतमंद परिवारों को कच्चे मकानों को

पक्का करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिनमें से 18 परिवारों को 2-2 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र आज जारी किए गए हैं।शेष 14 परिवारों को भी जल्द ही यह सहायता उपलब्ध करवा दी जाएगी। यह राशि पंचायत के खातों में स्थानांतरित की जाएगी तथा मकानों का निर्माण बी.डी.पी.ओ. कार्यालय की देखरेख में करवाया जाएगा।उन्होंने आगे बताया कि बरसात के कारण क्षतिग्रस्त हुए 39 घरों के परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने के लिए 1.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। यह राशि तीन किश्तों में दी जाएगी—मकान शुरू होने पर 70 हजार रुपये, प्लिंथ स्तर पर पहुंचने पर 40 हजार रुपये और लैंटर पड़ने के बाद 10 हजार रुपये। विधायक ने कहा कि सरकार की यह पहल गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी और प्रत्येक परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस मौके पर धनवंत सिंह रंधावा बीडीपीओ, मोहाली, परमजीत सिंह, कुलदीप सिंह समाना, अवतार सिंह मौली, कुलबीर सिंह सरपंच मनौली, नरिंदर सिंह सरपंच, सैदपुर, धर्मप्रीत सिंह, पंच, मौजपुर, बलकार सिंह, सरपंच, सुखगढ़, गुरमुख गिर, सरपंच, शामपुर, कर्मा पुरी, सरपंच, गोबिंदगढ़, राजिंदर सिंह, सरपंच, सिआऊ, करमजीत बिट्टू, सरपंच, झिउरहेड़ी, सुखविंदर सिंह, सरपंच, बाकरपुर, गौरव कुमार, सरपंच, संभालकी, हरविंदर सिंह, सरपंच, झामपुर, हरपाल सिंह सरपंच, तरलोचन सिंह सतनाम सिंह सरपंच गीगा माजरा मौजूद थे।

## सी.एल.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के छात्र विभास ने सीएलएटी 2025 में 99.2 ओवरआल परसैंट हासिल किए

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

सी.एल.एस. डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, जैतो में प्रतिष्ठित छात्र विभास माहेश्वरी सुपुत्र श्री रविन्द्र माहेश्वरी (कॉमर्स स्ट्रीम, बैच 2025-26) की इस शानदार उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है। विभास ने प्रतिष्ठित 'कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज' (एन.एल.यू.)द्वारा आयोजित कॉमन लॉ एडमिशन टैस्ट (सी.एल.ए.टी.) 2025 में 99.2 ओवरऑल पर्सेंट हासिल कर एक मिसाल कायम की है। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के सभी खंडों में अपना असाधारण कौशल दिखाते हुए, विभास ने 593वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त की है। यह उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और सुनियोजित तैयारी का परिणाम है।यह शानदार सफलता विभाष के अटूट समर्पण, अनुशासित प्रयासों और बौद्धिक प्रतिभा का प्रमाण है, जिसे सी.एल.एस. डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, जैतो के सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण में संवारा गया है।प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा जी ने विभाष और उसके अभिभावकों को मुबारकबाद देते हुए परमात्मा से इस छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## संक्षिप्त-समाचार

### मोदी की किसान-प्रथम सोच से मजबूत हुआ ऐतिहासिक भारतः सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल

**जैतो।** राष्ट्रीय भाजपा नेता, अधिवक्ता सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल भूखड़ी कलां ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी, संवेदनशील और किसान-केंद्रित नेतृत्व देश भर के लाखों परिश्रमी किसानों के लिए गर्व, विश्वास और आर्थिक आशा का स्रोत बन रहा है। उन्होंने किसानों की गरिमा, समृद्धि और भविष्य की रक्षा के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता के लिए हृदय से प्रशंसा और गहरा सम्मान व्यक्त किया।ग्रेवाल ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यमों पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील मार्गदर्शन में हर महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय ईमानदारी, संवेदनशीलता और राष्ट्र की रीढ़, हमारे किसानों को सशक्त बनाने के स्पष्ट उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझ को सराहते हुए कहा कि यह संतुलित, विचारशील और संरक्षात्मक दृष्टिकोण को दशार्ता है, जहां राष्ट्रीय हित और किसान कल्याण सर्वोपरि हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय भारत की मिट्टी और उसे सींचने वाले किसानों के प्रति प्रधानमंत्री के गहरे भावनात्मक जुड़ाव को प्रदर्शित करते हैं।ग्रेवाल ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का वक्तव्य स्पष्ट करता है कि यह समझौता घरेलू कृषि की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकास और समृद्धि के नए मार्ग खोलने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

### गैंगस्टरां ते वार का 24वां दिनः पंजाब पुलिस ने 888 स्थानों पर छापेमारी की; 256 गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरां ते वार मुहिम के 24वें दिन, पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 888 छापेमारियां कीं। जानकारी के अनुसार, ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक जंग - 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से पूरे राज्य में विशेष कार्रवाई की जा रही हैं। इस मुहिम के 24वें दिन, पुलिस टीमों ने 256 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही मुहिम की शुरूआत से अब तक गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 9,012 हो गई है। इसके अलावा 129 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 239 व्यक्तियों की जांच की गई और पूछताछ के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कार्रवाई के दौरान 7 भगोड़े अपराधी (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया है। वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशेयां विरुद्ध को 349वें दिन भी जारी रखा है, जिसमें शुक्रवार को 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 3.9 किलो हेरोइन, 7 किलो भुक्की, 526 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 11,500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इससे केवल 349 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 49,440 हो गई है। नशा छुड़ाने की मुहिम के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 36 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के इलाज के लिए राजी किया है।

### लाहौर के एचिसन गुरुद्वारा साहिब में 80 वर्षों बाद सिख अरदास और शबद कीर्तन आयोजित

**चंडीगढ़।** लाहौर के मॉल रोड स्थित एचिसन कॉलेज परिसर में बने पुरातन गुरुद्वारा साहिब में शुक्रवार, 13 फरवरी को एक ऐतिहासिक और भावनात्मक सिख शबद कीर्तन आयोजित हुआ व अरदास की गई। इस गरिमामय अवसर पर पाकिस्तान के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा सहित स्थानीय सिख संगत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। यह जानकारी देते हुए डॉ. तरुणजीत सिंह बुतालिया, जिन्होंने कॉलेज प्रशासन के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया, ने बताया कि स्थानीय रागी जत्थे में शामिल हरविंदर सिंह, अक्षयदीप सिंह और दलीप सिंह ने गुरबाणी के पवित्र शबदों का कीर्तन श्रवण किया। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 1947 के बाद सिख विद्यार्थियों की अनुपस्थिति के कारण यह गुरुद्वारा साहिब बंद हो गया था परंतु इसकी देखरेख कॉलेज प्रशासन द्वारा लगातार की जाती रही। यह विशेष शबद कीर्तन कॉलेज की 140वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस कॉलेज की आधारशिला 3 नवंबर 1886 को अविभाजित पंजाब के शाही और प्रमुख परिवारों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से रखी गई थी। वर्तमान में एचिसन कॉलेज के लगभग 15 सिख पूर्व छात्र भारत में निवास कर रहे हैं। उनसे हुई बातचीत में उन्होंने काले और सफेद संगमरमर की फर्श तथा किले जैसी आंतरिक वास्तुकला वाले गुरुद्वारा की यादों को भावुकता से साझा किया। गुरुद्वारा के अतिरिक्त कॉलेज परिसर में विभाजन-पूर्व काल की एक मस्जिद और एक हिंदू मंदिर भी मौजूद है।

## भगवंत मान सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के लिए साल भर का रोडमैप तैयारः हरपाल सिंह चीमा

चंडीगढ़।वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पंजाब कैबिनेट की सब-समिति ने आज यहां श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए साल भर के विस्तृत रोडमैप को अंतिम रूप देने के लिए अपनी दूसरी बैठक की।इस बैठक में इन समागमों को विश्व स्तर पर ले कर जाने और गुरू साहिब के बराबरी, मानवता एंव भक्ति के संदेश को राज्य के प्रत्येक कोने और इससे बाहर तक पहुंचाने का पक्का अहद लिया गया।बैठक के दौरान वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, कैबिनेट मंत्री डा. रवजोत सिंह, कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद, पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली और विशेष इनवायटी पवन टीनू ने महीनावार प्रोगरामों के प्रबंधों के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिससे यह सुनिश्चित बनाया जा सके कि इन प्रोगरामों में आध्यात्मिक श्रद्धा, शैक्षिक प्रसार और समाज भलाई पहलकदमियों का संतुलित सुमेल हो।समागमों के आध्यात्मिक पहलू पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, ₹ हमारा उदेश्य इस ऐतिहासिक मौके को ऐसे स्तर पर मनाना है जो समाज पर श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के गहरे प्रभाव को दशार्ता है।हम यह यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध है कि प्रत्येक नागरिक, विशेष कर हमारे युवा, 'बेगमपुरा' के संदेश - एक ऐसा समाज जो दुखों और भेदभाव से मुक्त हो- के साथ जुड़े।₹ कैबिनेट सब-समिति ने वाराणसी, फरीदकोट, जम्मू और बठिंडा से चार बड़ी शोभा यात्राएं निकालने का निर्णय किया है, जो गुरू जी के पवित्र तप स्थान श्री खुरालगढ़ साहिब में नतमस्तक होंगी। पंजाब के अलग- अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं को वाराणसी स्थित श्री गुरु रविदास जी के जन्म स्थान मंदिर के दर्शनों के लिए तीर्थ यात्राओं की सुविधा देने का भी फैसला लिया गया।गुरू जी का दर्शन नई पीढ़ी तक सार्थक ढंग से पहुंचाने के लिए सब-समिति ने राज्य के स्कूलों, कालेजों और यूनिवर्सिटियों में श्री गुरु रविदास जी के जीवन और शिक्षाओं पर सैमीनार करवाने की मंजूरी दी।

# शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 हेतु राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में योग एवं ध्यान क्रेडिट पाठ्यक्रम का शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) ने शैक्षणिक वर्ष 2025झ2026 के लिए अपने औषधि निर्माण संबंधी पाठ्यक्रम के अंतर्गत ह्लयोग एवं ध्यानह्व नामक एक नवीन श्रेयांक-आधारित पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है। यह पाठ्यक्रम सामान्य ऐच्छिक श्रेणी के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यक्रम 12 फरवरी से 03 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसका मार्गदर्शन स्वामी त्यागराजानंद सरस्वती द्वारा किया जाएगा, जो बिहार योग विद्यालय, मुंगेर से संबद्ध एक प्रतिष्ठित योगाचार्य एवं संन्यासी हैं।

स्वामी त्यागराजानंद सरस्वती सत्यानंद योग अथवा बिहार योग परंपरा के सुप्रसिद्ध साधक एवं आचार्य हैं। वे क्रिया योग, तंत्र योग, हठ योग, राज

योग, नाद योग तथा भक्ति योग जैसी पारंपरिक योग विधाओं के समर्पित अभ्यासक हैं। वर्तमान में वे अपने गुरुओं की शिक्षाओं के प्रसार के लिए संन्यासी जीवन का पालन करते हुए योग परंपरा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। यह पहल नाईपर की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है, जिसके अंतर्गत शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन तथा तनाव प्रबंधन को व्यावसायिक औषधि निर्माण प्रशिक्षण के साथ समन्वित किया गया है।इस अवसर पर नाईपर के निदेशक दुलाल पांडा तथा अधिष्ठाता कुलभूषण टिक्कू ने योग एवं ध्यान पाठ्यक्रम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन तथा कार्यकुशलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।वैज्ञानिक आधार पर विकसित योग एवं ध्यान अभ्यास विद्यार्थियों को शैक्षणिक तनाव से प्रभावी रूप से निपटने तथा आत्मानुशासन एवं सजगता विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस गतिविधि के सफल संचालन के लिए नाईपर की योग एवं ध्यान समिति ने विद्यार्थियों तथा आवासीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक व्यवस्थाएँ की हैं। यह पहल सभी के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है, जिसके माध्यम से वे नाईपर परिसर में समग्र स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार, नाईपर शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास को भी समान महत्व देते हुए भावी औषधि निर्माण पेशेवरों को वैज्ञानिक दक्षता तथा संतुलित जीवन दृष्टिकोण के लिए तैयार कर रहा है।

# पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने ह्यूमन मिल्क बैंक की चौथी सालगिरह मनाईः 1,600 नवजात बच्चों के लिए एक लाइफलाइन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर की नियोनेटल यूनिट को अपने ह्यूमन मिल्क बैंक की चौथी सालगिरह की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। इस इलाके के सबसे कमजोर बच्चों को जीवन बचाने वाली सेवा के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 14-02-2026 को सुबह 11:30 बजे सेमिनार रूम में एक खास जश्न मनाया जाएगा। 2022 में अपनी शुरूआत के बाद से, मिल्क बैंक बीमार और छोटे नवजात बच्चों को सुरक्षित, पाश्चुरीकृत ह्यूमन मिल्क दे रहा है, जिनकी मांएं कुछ समय के लिए अपना दूध खुद नहीं दे पा रही हैं।

**आंकड़ों के हिसाब से असरः** सिर्फ.चार सालों में, इस पहल को लोगों का जबरदस्त सपोर्ट और क्लिनिकल सफलता मिली है। 1,700 से ज्यादा मांओं ने बिना किसी स्वार्थ के अपना दूध दान किया है। 1,000 लीटर से ज्यादा ह्यूमन मिल्क इकट्ठा किया गया है। 1,600+ नवजात बच्चों को डोनर का दूध मिला है, जिससे उन्हें ज़िंदगी में एक जरूरी शुरूआत मिली है। नियोनेटल यूनिट में बच्चों को 900 लीटर से ज्यादा दूध दिया जा चुका है। नियोनेटोलॉजी की प्रोफेसर और इस प्रोजेक्ट की पायनियर डॉ. कन्या मुखोपाध्याय ने जोर देकर कहा कि यह माइलस्टोन ₹डोनर मांओं के पक्के इरादे₹ और ढक्ररूटएफ की डेडिकेटेड मेडिकल टीम का सबूत है।

**इंसानी दूध क्यों जरूरी हैः** इंसानी दूध सिर्फ.न्यूट्रिशन से कहीं ज्यादा है; प्रीमैच्योर या बीमार बच्चे के लिए, यह दवा है। पचाने में आसान - फॉमूर्ला के

उलट, इंसानी दूध बच्चे के कमजोर डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए बिल्कुल सही है, जिससे न्यूट्रिएंट्स का बेहतर एब्जॉर्प्शन होता है। इम्यूनिटी बूस्टर - इसमें एंटीबॉडी और ज़िंदा सेल्स होते हैं जो कमजोर बच्चों को जानलेवा इन्फेक्शन और सेप्सिस से बचाते हैं। आंत की हेल्थः यह नेक्रोटाइज़िंग एंटरोकोलाइटिस (ठएउ) के खतरे को काफी कम करता है, जो प्रीमैच्योर बच्चों में आम तौर पर होने वाली एक गंभीर और अक्सर जानलेवा आंतों की बीमारी है। ब्रेन डेवलपमेंटः इंसान के दूध में खास फैट और प्रोटीन खास तौर पर इंसान के ब्रेन के विकास और लंबे समय तक कॉग्निटिव हेल्थ के लिए बनाए गए हैं।

**कुछ मांएं अपने बच्चों को दूध क्यों नहीं पिला पातींः** हालांकि ब्रेस्टफीडिंग कराना नैचुरल है, लेकिन कई मेडिकल और हालात की वजह से मां तुरंत दूध नहीं दे पातीं:समय से पहले जन्मः प्रीमैच्योर बच्चों की मांएं स्ट्रेस में हो सकती हैं और पहले कुछ दिनों में उनके पास दूध कम हो सकता है।बहुत जल्दी पैदा हुए बच्चों की मांओं को अचानक जन्म की वजह से दूध ₹आने₹ में देरी हो सकती है।

**मां की बीमारीः** सर्जरी या गंभीर इन्फेक्शन, या प्रीक्लेम्पसिया जैसी कॉम्प्लीकेशंस से ठीक हो रही मांएं दूध पिलाने के लिए बहुत बीमार हो सकती हैं।

**दवाएं-** मां को जिन कुछ जान बचाने वाली दवाओं की जरूरत होती है, वे बच्चे के लिए सेफ नहीं हो सकती हैं।

**स्ट्रेस और अलगाव-** बच्चे के होने का फिजिकल और इमोशनल स्ट्रेस कभी-कभी कुछ समय के लिए दूध बनने को रोक सकता है।

**कौन डोनेट कर सकता है और क्यों ?** कोई भी हेल्दी दूध पिलाने वाली मां जिसके पास ज्यादा दूध हो, वह डोनर बन सकती है।पोटेंशियल डोनर्स एक सख्त स्क्रीनिंग प्रोसेस से गुजरते हैं, जिसमें हेल्थ हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट (ब्लड डोनेशन की तरह) शामिल हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि दूध त्नक्ष्ट या हेपेटाइटिस जैसे इन्फेक्शन से सुरक्षित है।माँएँ डोनेट करती हैं क्योंकि उनके पास ₹लिक्विड गोल्ड₹ बचा होता है।डोनेट करके, वे उन बच्चों के लिए ज़िंदा रहने का एक जरिया बनती हैं, जिन्हें नहीं तो बोवाइन-बेस्ड फॉमूर्ला पर निर्भर रहना पड़ता, जिसमें बहुत बीमार बच्चों के लिए ज्यादा रिस्क होता है।

# बांग्लादेश में बीएनपी सरकार बनाने को तैयार

## बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के अगले प्रधानमंत्री बनने की प्रबल संभावना

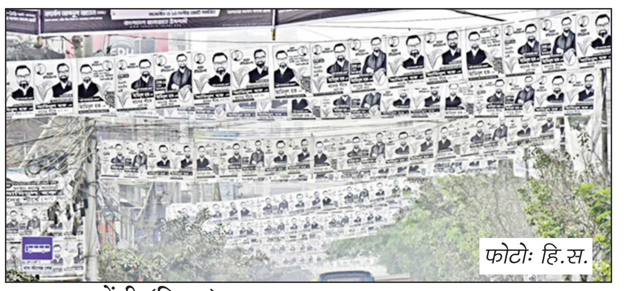
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

बांग्लादेश में गुरुवार को हुए 13वें संसदीय चुनाव में अजेय बढ़त बरकरार रखते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार कहा कि वह सरकार बनाने के लिए तैयार है। बीएनपी मीडिया सेल ने एक्स पर यह दावा किया। पोस्ट में कहा गया कि बीएनपी बहुमत पार कर चुकी है। उसकी सरकार बनेगी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में बीएनपी को चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिलने का अनुमान है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम अलो के अनुसार, जातीय संसद की 299 सीटों में से 236 की मतगणना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इनमें से बीएनपी और उसके सहयोगियों ने 166, जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों ने 58, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश ने एक, स्वतंत्र और अन्य ने 11 सीट पर जीत दर्ज की है। अब तक नेशनल पार्टी का खाता नहीं खुल सका है।

इस बीच बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने समर्थकों, कार्यकताओं और आम जनता से अपील की है कि चुनाव से पहले मां की मौत की वजह से जीत के जश्न को फिलहाल स्थगित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि आप शुक्रवार की नमाज के बाद उनकी मां (खालिदा जिया) की आत्मा की शांति के लिए दुआ करें।

जातीय संसद में सरकार बनाने के लिए 151 सीटों की आवश्यकता होती है। बीएनपी इस जादुई आंकड़े को आसानी से पार कर काफी आगे बढ़ चुकी है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के अगले प्रधानमंत्री बनने की प्रबल संभावना है। फिलहाल सबको निर्वाचन आयोग के आधिकारिक नतीजों का इंतजार है।

### जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं तारिक रहमान ने, विरासत में मिली है राजनीति

बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बड़ा करिश्मा करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान पर सारी दुनिया नजर टिक गई है। तारिक ने अपने जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। राजनीति उन्हें विरासत में मिली है। उनकी इसी साल 25 जनवरी लंदन से सपरिवार घरवापसी हुई। स्वदेश लौटने के मात्र पांच दिन बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी मां खालिदा जिया का निधन हो गया। इसके बाद उन्होंने पार्टी की बागडोर संभाली। तारिक के पिता जिया-उर-रहमान मुल्क के राष्ट्रपति रह चुके हैं। तारिक 1990 के दशक में सक्रिय हुए। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सरकार के दौरान वे पार्टी के भीतर बेहद प्रभावशाली बन गए। उस समय उन्हें डार्क प्रिंस के नाम से भी पुकारा गया। 2007 में सैन्य समर्थित अंतरिम सरकार के दौरान तारिक रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य मामलों में आरोप लगे। उन्हें डेढ़ साल जेल में रहना पड़ा। बाद में वे इलाज के लिए लंदन चले गए और वहीं से पार्टी की गतिविधियों को संचालित करते रहे। तारिक को 2018 और 2021 में भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और 2004 के ग्रेनेड हमले से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया। इससे उनके स्वदेश लौटने की राह लगभग बंद हो गई। 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद अदालतों ने उनके खिलाफ कई फैसलों को पलटा। इससे उनकी घरवापसी और राजनीति में सक्रिय होने का रास्ता साफ हुआ। करीब 17 वर्ष बाद उनकी वापसी हुई। 20 नवंबर 1965 में जन्मे तारिक की पत्नी जुबैदा रहमान डॉक्टर हैं। उनका जन्म 18 मई 1972 को सिलहट में हुआ। उन्होंने ढाका मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और 1995 में सरकारी सेवा में शामिल हुईं। वह 2008 में अध्ययन अवकाश पर लंदन गईं। बाद में उन्हें सरकारी पद से हटा दिया गया। लंदन में उन्होंने इंपीरियल कॉलेज से चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। उनका परिवार भी प्रभावशाली रहा है। उनके पिता रियर एडमिरल महबूब अली खान बांग्लादेश नौसेना के प्रमुख रहे और बाद में मंत्री भी बने।

### बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बीएनपी को बहुमत

बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुमत से आगे बढ़ती नजर आ रही है। बीएनपी ने अब तक 151 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी 43 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष के तौर पर उभरी है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की वेबसाइट पर मतगणना का यह अपडेट जारी किया गया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, यह देश के लिए अहम पल है। साल 2024 की जुलाई क्रांति के बाद हुआ पहला आम चुनाव और राष्ट्रीय जनमत संग्रह बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। बीएनपी की दिवंगत नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। रहमान ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा और दोनों पर जीत दर्ज की। इस चुनाव में जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 पार्टियों के गठबंधन के सरकार बनाने के सपने को मतदाताओं ने चकनाचूर कर दिया है। चुनाव नतीजों की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि बीएनपी 299 सीटों में से 165 पर जीत हासिल कर चुकी है। जमात गठबंधन को अब तक सिर्फ 45 सीटें मिली हैं। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट जीत ली है। तीन सीटों पर अन्य पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई है।

# भीलवाड़ा में शराब समझकर जहरीला केमिकल पीया, परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
भीलवाड़ा

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र के आलोली गांव में गुरुवार देररात शादी समारोह से काम करके लौटे मजदूरों ने शराब समझकर बर्तन साफ करने वाला जहरीला केमिकल पी लिया। इस घटना में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। गांव में मातम पसरा है और परिजन सदमे में हैं।

जानकारी के अनुसार, आलोली गांव निवासी रतन पुत्र मसरिया कंजर, उसकी पत्नी सुशीला देवी तथा जमनी देवी और बदामी देवी एक शादी समारोह में बर्तन धोने और साफ-सफाई का काम करने गए थे। शादी वाले घर में बर्तन चमकाने और धोने के लिए विशेष रसायन (केमिकल) मंगवाया गया था। काम खत्म होने के बाद ये सभी मजदूर अपने घर लौटे और उसी दौरान उन्होंने उस केमिकल की बोतलें शराब की बोतल समझकर अपने साथ रख लीं। घर पहुंचने के बाद सभी ने उस रसायन को शराब समझकर पी लिया। कुछ ही मिनटों में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। पेट में तेज जलन,

फोटोः हि.स.

उल्टियां और बेहोशी के लक्षण दिखाई देने लगे। घबराए परिजनों और पड़ोसियों ने तुरंत उन्हें गंगापुर अस्पताल पहुंचाया। यहां जमनी देवी (60), शंकर कंजर, रतन (42) पुत्र मिश्रीलाल कंजर और उसकी पत्नी सुशीला (40) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दो महिलाओं को गंभीर हालत में भीलवाड़ा रेफर किया गया। रास्ते में बदामी (60) पत्नी जानकीलाल की मौत हो गई, जबकि सनू (22) पत्नी पप्पूलाल कंजर की हालत नाजुक बनी हुई है। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि पोस्टमार्टम में सभी के पेट में जहरीला लिक्विड पाया गया है। प्रारंभिक तौर पर यह शराब या कोई तेज रसायन हो सकता है, लेकिन अंतिम पुष्टि एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद होगी। भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि जिस बोतल से केमिकल पीया गया था, उसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह केमिकल भीलवाड़ा की ही एक दुकान से खरीदा गया था। पुलिस अब उस दुकानदार से पूछताछ कर रही है कि यह केमिकल किस उद्देश्य से बेचा गया और उस पर चेतावनी का लेबल क्यों नहीं था। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और रसायन की प्रकृति का परीक्षण किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव मौके पर पहुंचे। भारी पुलिस जाप्ता और चिकित्सा विभाग की टीम गांव में तैनात की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पुलिस गांव में घर-घर जाकर हेल्थ चेकअप कराया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी अन्य व्यक्ति ने भी उस जहरीले रसायन का सेवन तो नहीं किया है। प्रशासन ने गांव के लोगों को किसी भी संदिग्ध तरल या केमिकल के उपयोग से दूर रहने की अपील की।

कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद दी जाएगी। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि मौत का कारण रसायन को शराब समझकर पीना है।

# हाथियों के झुंड ने छह लोगों को रौंदा, मौत

एजेंसी (हि.स.)
हजारीबाग

फोटोः हि.स.

झारखंड के हजारीबाग में गुरुवार देर रात हाथियों के झुंड ने छह लोगों को रौंद कर मार डाला। मृतकों में एक साल बच्चे से लेकर 50 साल के ऊपर तक के लोग शामिल है। घटना अंगो थाना एवं चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव की है। मृतकों में सुमन कुमारी (26), धनेश्वर राम (52), सूरज राम (50), सविता देवी (25) एवं दो छोटे बच्चे अनुराग राम (1) और संजना कुमारी (3) शामिल है। घटना के वक्त सभी लोग अपने घरों में सो रहे थे। घटना गुरुवार रात एक से 1:30 के बीच की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पांच हाथियों के झुंड ने उत्पात मचाया। एक घर के गेट को भी उखाड़ दिया और अंदर घुसकर लोगों को कुचला। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इस क्षेत्र में हाथियों का झुंड एक माह पहले से विचरण कर रहा था। इसे लेकर वन विभाग लोगों को समय-समय पर अलर्ट भी कर रहा था। घटना की पुष्टि करते हुए डीएफओ पूर्वी वन प्रमंडल विकास कुमार उज्ज्वल ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा वन विभाग मृतक के परिवार के साथ खड़ा है।

उल्लेखनीय है कि रामगढ़ और हजारीबाग के गोमिया प्रखंड में हाथियों के झुंड अक्सर उत्पात मचा रहे हैं और कई लोगों की जान ले चुके हैं। कुछदिन पहले ही गोमिया प्रखंड में हाथियों के हमले में पांच लोगों की मौत हुई थी।

## शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.99 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, भारती एयरटेल और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 0.84 प्रतिशत से लेकर 0.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और विप्रो के शेयर 5.77 प्रतिशत से लेकर 3.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,660 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

# सर्राफा बाजार में चांदी की बढ़ी चमक सोने के भाव में गिरावट का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। सोने के भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफाबाजारों में शुरूआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना आज 1,58,390 रुपये से लेकर 1,58,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,45,190 रुपये से लेकर 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफाबाजार में आज शुरूआती

फोटोः हि.स.

कारोबार में 2,95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफाबाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## संक्षिप्त-समाचार

### आरपीएफ ने 16 किलो गांजा के साथ दो आरोपित को किया गिरफ्तार

**पूर्वी सिंहभूम।** नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत की गई कार्रवाई में 16 किलो अवैध गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। बरामद गांजा की अनुमानित बाजार कीमत करीब आठ लाख रुपये आंकी गई है। शुक्रवार को आरपीएफ पदाधिकारी राकेश महतो ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तबरेज आलम और नेयाज अहमद के रूप में हुई है। दोनों पश्चिमी चंपारण जिले के बेतिया क्षेत्र अंतर्गत भीतहा थाना के निवासी बताए गए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे ओडिशा के रूपरा रोड स्टेशन से गांजा लेकर ट्रेन के माध्यम से टाटानगर पहुंचे थे। यहां से उन्हें पटना होते हुए बेतिया ले जाकर आपूर्ति करनी थी। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी. शंकर कुटी के निर्देश पर गुरुवार रात आरपीएफ उड़नदस्ता दल की ओर से विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधि के आधार पर दोनों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 16 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, नशा तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत लगातार निगरानी और छापेमारी की जा रही है। इस मामले में दोनोंआरोपितों को विधिसम्मत कार्रवाई के लिए अग्रिम प्रक्रिया में लिया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा इसकी जड़ें कहां तक फैली हुई हैं।

### पूर्णिया सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर पुलिस छावनी में तब्दील

**पूर्णिया।** पूर्णिया सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार की सुबह पूरे शहर में हड़कंप मच गया। एहतियातन कोर्ट परिसर को पूरी तरह पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सिविल कोर्ट आने-जाने वाली मुख्य सड़क को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है तथा आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि लगभग 12 बजे के बाद सिविल कोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिसमें कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। मौके पर पूर्णिया सदर डीएसपी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। बम स्क्वायड टीम और श्वान दस्ते द्वारा परिसर के चप्पे-चप्पे की सघन तलाशी ली जा रही है। कई थानों के प्रभारी एवं सैकड़ों पुलिस जवान सुरक्षा घेरा बनाए हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को खाली कराया गया और आसपास के रास्तों को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। फिलहाल कोर्ट का नियमित कामकाज बाधित है। परिसर में स्वाभाविक रूप से भय का माहौल देखा जा रहा है, हालांकि वकीलों और कर्मचारियों की सीमित मौजूदगी बनी हुई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश तिवारी ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में विभिन्न स्थानों पर ईमेल के जरिए इस प्रकार की धमकियां मिलने की घटनाएं सामने आई हैं। यदि यह धमकी फर्जी साबित होती है तो यह भी गंभीर विषय है कि आखिर ऐसी हरकतें कौन और क्यों कर रहा है। उन्होंने सरकार से मामले में सख्त संज्ञान लेकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आज कोर्ट का नियमित कार्य किस प्रकार संचालित होगा। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू से जांच में जुटी हैं और संदिग्ध ईमेल के स्रोत का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

### बक्सर सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया गया

**बक्सर।** जिला मुख्यालय स्थित सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। मौके पर पहुंचे डीएसपी गौरव पांडेय ने माइक से घोषणा कर पूरे कोर्ट परिसर को तत्काल खाली कराने का निर्देश दिया। उस समय अदालत परिसर में रोज की तरह वकीलों और मुवक्किलों की काफी भीड़ मौजूद थी। अचानक हुई घोषणा से अफरातफरी का माहौल बन गया। नगर थाना की पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट परिसर के असुरक्षित होने की सूचना मिली थी। सुरक्षा के मद्देनजर एहतियातन परिसर खाली कराकर सघन जांच-पड़ताल की जा रही है। बम निरोधक दस्ते और पुलिस बल को सतर्क कर दिया गया है। फिलहाल पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### केंदई नेशनल हाईवे पर देर रात भीषण सड़क हादसा, दो की मौत, पांच घायल

**कोरबा।** जिले के मोरगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत केंदई नेशनल हाईवे पर झरना मोड़ के पास गुरुवार देर रात करीब 12 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। दो कारों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि हादसे के दौरान दोनों वाहनों के एयरबैग खुल गए, जिससे कुछ लोगों की जान बच सकी। दुर्घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और मोरगा चौकी पुलिस तथा डायल 112 को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को पोड़ी उपरोड़ा स्थित स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार एक आल्टो 100 कार में चार लोग सवार थे, जिनमें से दो की मौके पर मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दूसरी कार में तीन लोग सवार थे और तीनों घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायल और मृतक कोरबी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों में एक की पहचान धन सिंह यादव के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

# बायोपोल केमिकल्स ने निवेशकों को किया निराश, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

बायोकेमिकल और पॉलीइलेक्ट्रोलाइट केमिकल्स की मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का काम करने वाली कंपनी बायोपोल केमिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 108 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 111 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह शेयर 105.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.36 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

फोटोः हि.स.

बायोपोल केमिकल्स का 31.26 करोड़ रुपये का आईपीओ छह से दस फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 21.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 24.49 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.80 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28,94,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी इंडस्ट्रियल प्लॉट खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को छह करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

## ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

**नई दिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दूसरे दिन जोरदार गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी चिंताओं की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 108.71 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,832.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 473.04 अंक यानी 2.05 प्रतिशत टूट कर 22,593.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 49,477.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,402.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

# बेंगलुरु के पास सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के होसकोटे तालुक स्थित एम. सत्यवर गांव के समीप शुक्रवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई। यह हादसा होसकोटेझ्दाबासपेट राष्ट्रीय राजमार्ग पर कैंटर, कार और दोपहिया वाहन के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, कार में सवार छह लोगों तथा दोपहिया चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ने पहले आगे चल रहे दोपहिया वाहन को टक्कर मारी। इसके बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सामने से आ रहे कैंटर से जा भिड़ी। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण अत्यधिक गति माना जा रहा है। मृतकों में छह लोग बेंगलुरु के कोत्तनूर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हालांकि, सभी मृतकों की पहचान और अन्य विवरण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी एकत्र की।

# स्टॉक मार्केट में पैन एचआर सॉल्यूशंस की सुस्त शुरूआत, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

'मन रिसोर्स, फैसिलिटी मैनेजमेंट और ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी पैन एचआर सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली प्रीमियम के साथ एंट्री की। कंपनी के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री सिर्फ 0.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 78.35 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर इसकी चाल में गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 78.44 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.56 प्रतिशत के मामूली मुनाफे में थे।

फोटोः हि.स.

पैन एचआर सॉल्यूशंस का 17.04 करोड़ रुपये का आईपीओ छह से दस फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 11.85 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 14.04 करोड़ रुपये के 18 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा तीन करोड़ रुपये के चार लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

**आत्मनिर्भर** — दस महिलाओं ने घर के पास शेड बनाकर मुर्गी फार्म स्थापित किए

# मुर्गी पालन बना आदिवासी महिलाओं के स्वावलंबन का आधार

एजेंसी (हि.स.)
झाड़ग्राम/मेदिनीपुर

पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिलों में रोड आइलैंड रेड नस्ल की मुर्गियों का पालन ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनकर उभरा है। प्रशासनिक सहयोग और बैंक ऋण की सहायता से स्वयं सहायता समूह न केवल अपनी आय बढ़ा रहे हैं, बल्कि क्षेत्र में पोषण और रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहे हैं।

पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी ब्लॉक में भादुतला हाई स्कूल के समीप सुषमा महतो के नेतृत्व में दस महिलाओं ने घर के पास शेड बनाकर मुर्गी फार्म स्थापित किया है। यहां सबिता पात्र, ममता, तृप्ति, मयना और झुम्पा सहित अन्य सदस्याएं नियमित रूप से काम करती हैं। छह माह के भीतर ही फार्म लाभ देने लगा है। यह नस्ल सालाना औसतन 200 से 220 अंडे देती है, जिससे समूह की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

समूह की दलनेत्री सबिता पात्र ने बताया कि वर्ष 2007 में 'बाबा लोकनाथ महिला स्वयं सहायता समूह' का गठन किया गया था। प्रारंभ में अन्य कार्यों में अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन बाद में मुर्गी पालन ने स्थायी आय का रास्ता दिखाया। सह-दलनेत्री सुषमा महतो के अनुसार, समूह को बैंक से 15 लाख रुपये का ऋण और डेढ़ लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता मिली है, जिससे आधारभूत ढांचा तैयार किया गया। अंडों की बाजार में अच्छी मांग है और बिक्री संतोषजनक हो रही है।

फोटोः हि.स.

इसी प्रकार झाड़ग्राम जिले के बिनपुर-दो ब्लॉक और बेलपहाड़ी क्षेत्र में भी पशुपालन विभाग की पहल पर बड़ी संख्या में आदिवासी एवं जनजातीय परिवारों को रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजे वितरित किए गए हैं। वर्ष 2024-25 में लगभग 2 हजार 600 लाभार्थियों को चूजे दिए गए, जबकि चालू वित्त वर्ष में करीब तीन हजार लोगों को मुर्गी एवं बकरी पालन से जोड़ा गया है। यह नस्ल सालाना 150 से 200 अंडे देती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर मानी जाती है।

बिनपुर-दो के बीएलडीओ डॉ. शिवशंकर सोरेन ने बताया कि क्षेत्र की बड़ी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर है। पशुपालन के माध्यम से कुपोषण और गरीबी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि के कारण होटल, लॉज और रिसॉर्ट में अंडे और मांस की मांग बढ़ी है, जिससे ग्रामीणों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है।

शालबनी के बीडीओ रोमान मंडल ने भी स्वयं सहायता समूहों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से पशुपालन विभाग के सहयोग से नियमित मार्गदर्शन, आहार और चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

दोनों जिलों में मुर्गी पालन की यह पहल अब केवल आय का साधन नहीं रही, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास, स्वावलंबन और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बनती जा रही है।

# आज आयरलैंड और ओमान टीम दो मैच हारने के बाद जीत के लिए उतरेंगी

## ओमान के खिलाफ आयरलैंड के कप्तान स्टर्लिंग को करना होगा प्रेरणादायी प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

फोटोः हि.स.

आयरलैंड की लगातार दो हार के बाद सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं लेकिन शनिवार को यहां ओमान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मैच में वह अपने कप्तान पॉल स्टर्लिंग से प्रेरणादायी प्रदर्शन की उम्मीद करके जीत हासिल करना चाहेगा।

दोनों टीमों ने अब तक अपने दोनों मैच में हार का सामना किया है और वे टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए बेताब होंगी। आयरलैंड को सह-मेजबान श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया से क्रमशः 20 और 67 रन से हार का सामना करना पड़ा, वहीं ओमान को जिम्बाब्वे ने आठ विकेट से और श्रीलंका ने 105 रन से करारी शिकस्त दी। बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के अनुभव के आधार पर आयरलैंड की टीम ओमान के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। ओमान की टीम में अधिकतर भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी शामिल हैं। आयरलैंड को अच्छी तरह पता है कि टूर्नामेंट में बने रहने की अपनी धुंधली उम्मीद को बरकरार रखने के लिए उसे बड़ी जीत हासिल करनी होगी, जबकि ओमान दो करारी हार के बाद अपनी काबिलियत साबित करने की कोशिश करेगा। आयरलैंड की बल्लेबाजी कमजोर रही है और स्टर्लिंग अभी तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। बड़ा स्कोर बनाने के लिए वह कप्तान की फॉर्म पर काफी हद तक निर्भर करेगा। आयरलैंड के बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए रॉस एडायर, हैरी टेक्टर, लोरकान टकर और कर्टिस कैम्फर जैसे खिलाड़ियों को अपनी अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल अब तक टूर्नामेंट में आयरलैंड के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने किफायती गेंदबाजी करने के अलावा विकेट भी लिए हैं लेकिन उन्हें तेज गेंदबाज मार्क एडायर और बैरी मैकार्थी तथा और स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज और गैरेथ डेलानी जैसे गेंदबाजों से सहयोग की जरूरत है। दूसरी ओर ओमान के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है लेकिन आयरलैंड के खिलाफ जीत हासिल करना उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। इन दोनों टीमों के बीच अभी तक पांच मैच खेले गए हैं जिनमें आयरलैंड ने चार बार जीत हासिल की है, जबकि ओमान ने अक्टूबर 2019 में एक जीत दर्ज की थी। ओमान भी बल्लेबाजी में संघर्ष कर रहा है। उसने जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ क्रमशः 103 और नौ विकेट पर 120 रन बनाए। ओमान को जतिंदर सिंह, आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा और बड़े शॉट लगाने वाले विनायक शुक्ला जैसे बल्लेबाजों से दमदार प्रदर्शन करने की जरूरत है।

### टीम इस प्रकार हैं

**आयरलैंडः** पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क एडायर, रॉस एडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लोरकान टकर (विकेटकीपर), बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

**ओमानः** जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, शकील अहमद, मोहम्मद नदीम, जय ओडेदरा, आशीष ओडेदरा, शफीक जान।

मैच सुबह 11 बजे शुरू होगा।

# कोपा डेल रे सेमीफाइनलः एटलेटिको मैड्रिड ने बार्सिलोना को 4-0 से रौंदा

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

फोटोः हि.स.

कोपा डेल रे सेमीफाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड ने डिफेंडिंग चैंपियन बार्सिलोना को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए। घरेलू मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में डिएगो सिमेओने की टीम ने पहले हाफ में ही चार गोल दागकर मैच लगभग एकतरफा कर दिया।मैच के छठे मिनट में बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया की बड़ी गलती का एटलेटिको ने फायदा उठाया और बढ़त बना ली।इसके बाद 14वें मिनट में शानदार मूव के जरिए एंटोइन ग्रीजमैन ने दूसरा गोल दागा।

33वें मिनट में जूलियानो सिमेओने के क्रॉस पर एडेमोला लुकमैन ने तीसरा गोल किया।पहले हाफ के अंत से ठीक पहले लुकमैन और जूलियन अल्वारेज की बेहतरीन साझेदारी ने चौथा गोल दिलाया। हालांकि पहले हाफ में बार्सिलोना ने 70 प्रतिशत बॉल पजेशन रखा, लेकिन एटलेटिको के तेज काउंटर अटैक के सामने वह बेअसर साबित हुआ।दूसरे हाफ में कोच हांसी फ्लिक ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम की स्थिति में सुधार नहीं हुआ।52वें मिनट में पाउ क्यूबर्सी ने फ्री-किक पर मिले रीबाउंड को गोल में बदला, लेकिन लंबी वीएआर समीक्षा के बाद इसे ऑफसाइड करार दिया गया। मैच के 86वें मिनट में एलेक्स बेएना को पीछे से गिराने पर बार्सिलोना के खिलाड़ी को पहले पीला कार्ड दिया गया, जिसे बाद में वीएआर की मदद से सीधे लाल कार्ड में बदला गया।एटलेटिको के डिफेंडर मार्कोस योरेंटे ने कहा, यह पागलपन था, खासकर बार्सा के खिलाफ।टीम ने हर चीज सही की – डिफेंस मजबूत रखा, हाई प्रेसिंग की और स्पेस का बेहतरीन इस्तेमाल किया।

अब इस मुकाबले का दूसरा चरण 3 मार्च को कैंप नोउ में खेला जाएगा। इस सेमीफाइनल के विजेता का सामना फाइनल में रियल सोसिएदाद या एथलेटिक बिलबाओ से होगा। फिलहाल रियल सोसिएदाद 1-0 की बढ़त के साथ दूसरे चरण में उतरेगा।

# कतर ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर स्वियातेक और रायबकिना बाहर

एजेंसी (हि.स.)
दोहा

फोटोः हि.स.

कतर ओपन 2026 में गुरुवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले, जब विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रायबकिना क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

टॉप सीड स्वियातेक को ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 2-6, 6-4, 7-5 से हराया, जबकि 10वीं वरीयता प्राप्त कनाडा की विक्टोरिया एमबोको ने रायबकिना को 7-5, 4-6, 6-4 से मात दी। मारिया सक्कारी ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की। पहले सेट में पिछड़ने के बाद उन्होंने दूसरे और तीसरे सेट में बेहतरीन खेल दिखाया। निर्णायक सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां स्वियातेक ने एक मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन अंततः सक्कारी ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सक्कारी ने कहा, काफी समय बाद मुझे इतनी बड़ी जीत मिली है। जब रैंकिंग गिरती है तो आत्मविश्वास डगमगा जाता है, लेकिन यह मानसिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अब सक्कारी सेमीफाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त कारोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-3, 6-4 से हराया। स्वियातेक ने 2022, 2023 और 2024 में यह डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था, लेकिन इस बार उनका सफर क्वार्टरफाइनल में ही थम गया। पहले सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर उन्होंने मजबूत शुरूआत की थी, लेकिन सक्कारी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। दूसरे क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया एमबोको ने अपनी ताकत और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। 19 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी ने पहले सेट में तीन बार रायबकिना की सर्विस तोड़ी। अब एमबोको का सामना सेमीफाइनल में पिछले साल की उपविजेता जेलिना ओस्टापेंको से होगा, जिन्होंने इटली की एलिसाबेटा कोच्चियारेत्तो को 7-5, 6-4 से हराया।

# मैं अब बदला हुआ इंसान हूं, चौबीसों घंटे मजाक नहीं करताः ईशान किशन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने स्वीकार किया कि अपने व्यक्तित्व में बदलाव ने उन्हें एक बेहतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशन ने पिछले महीने भारतीय टीम में वापसी के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने संजू सैमसन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने गुरुवार रात नामीबिया के खिलाफ 24 गेंदों में 61 रन बनाए और पावरप्ले में भारत को एक विकेट पर 86 रन तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में खेली गई इस तूफानी पारी के चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इतिहास में पावरप्ले में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत की जीत के बाद किशन ने पत्रकारों को बताया कि एक व्यक्ति और क्रिकेटर के रूप में उनमें क्या बदलाव आया है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वह पहले की तरह मजाक नहीं करते। अतीत में अपने व्यवहार के कारण उन्हें केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था। किशन ने कहा, सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं अब काफी बदल गया हूं। मैं अब पहले की तरह बहुत अधिक मजाक नहीं करता। मुझे चुटकुले और इस तरह की चीज पसंद हैं लेकिन अब मैं हर समय ऐसा नहीं करता हूं और दो तीन घंटे के लिए ही ऐसा करता हूं। किशन ने कहा, मैं अभी सिर्फ बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा हूं, जिससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा। बाकी सब चीजें गौण हैं, इसलिए मैं हमेशा मजाक नहीं करता।

## अपनी गेंदबाजी पर लगातार काम कर रहा हूं: चक्रवर्ती

**नई दिल्ली।** भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में नामीबिया के खिलाफ अपनी फिरकी का जादू चलाने के बाद कहा कि वह अपनी गेंदबाजी में और विविधता लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बिलकुल सटीक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत के 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की टीम एक समय 10वें ओवर में दो विकेट पर 86 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन चक्रवर्ती (दो ओवर में सात रन पर तीन विकेट) ने उसके मध्यक्रम की रीढ़ तोड़ दी और टीम 116 रन पर सिमट गई। चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता (वेरिएशन) लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बेहतर करने पर अधिक ध्यान दिया है। चक्रवर्ती ने बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया के खिलाफ भारत की 93 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने अपनी गेंदबाजी के कुछ पहलुओं पर काम किया है जैसे गति, स्पिन और गेंद पर अधिक रोटेशन। लोग वेरिएशन पर भी काम करते हैं लेकिन मैंने अपनी मौजूदा गेंदों को परफेक्ट बनाने पर काम किया जिससे बहुत मदद मिली। चक्रवर्ती ने नामीबिया के खिलाफ लंबे फॉलो थ्रू (गेंद फेंकते हुए आगे की ओर जाना) के साथ गेंदबाजी की और इस स्पिनर ने कहा कि अपनी गेंदों की गति बढ़ाने के लिए उन्होंने ऐसा किया।

# बीच के ओवरों में खेल को धीमा करना चाहते थेः इरास्मस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में भारत के खिलाफ शिकस्त के बाद कहा कि मेजबान टीम की तूफानी शुरूआत के बाद वे खेल को धीमा करना चाहते थे और काफी हद तक इसमें सफल भी रहे। भारत ने सात ओवर में एक विकेट पर 104 बनाकर तूफानी शुरूआत की थी लेकिन ऑफ स्पिनर इरास्मस (20 रन पर चार विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों ने नामीबिया को वापसी दिलाई और मेजबान टीम अंतिम 13 ओवर में 105 रन ही जोड़ सकी।

इरास्मस ने नामीबिया की 93 रन की हार के बाद संवाददाताओं से कहा, बीच के ओवरों में खेल को धीमा करना हमेशा हमारी योजना का हिस्सा था। मुझे लगता है कि भारतीय टीम काफी लंबे समय से किसी भी तरह की तेज गेंदबाजी या किसी अन्य ऐसी चीज से नहीं डरती। इसलिए मुझे लगता है कि हमारा हथियार हमेशा अमेरिका की तरह ही था। मुकाबले को धीमा करना। इरास्मस ने कहा कि वह अगर भारत को पावर प्ले में 60 रन के आसपास रोक पाते तो बेहतर होता। पावर प्ले का छठा ओवर काफी महंगा साबित हुआ जिसमें सलामी इशान किशन ने जेजे स्मिट पर लगातार चार छक्कों और एक चौके से 28 रन बनाए और भारत पावर प्ले में एक विकेट पर 86 रन बनाने में सफल रहा। कप्तान ने कहा, पावर प्ले ठीक जा रहा था और फिर बदकिस्मती से पावर प्ले का आखिरी ओवर काफी महंगा साबित हुआ। अगर हम उन्हें 60 के आसपास तक रोक पाते तो मुझे लगता है कि यह अच्छा काम होता।

## दर्पण विशेष

# वैलेंटाइन डे

**फरवरी का महीना आते ही प्यार का माहौल छा जाता है। फूल खिल उठते हैं और प्रकृति भी रोमांटिक मूड में नजर आने लगती है। हर साल 14 फरवरी को दुनिया भर में लोग वैलेंटाइन डे मनाते हैं। चाहे प्यार अपने पार्टनर, जीवनसाथी, माता-पिता या दोस्तों के लिए हो, वैलेंटाइन डे इस दिल को छू लेने वाले एहसास का जश्न मनाने का दिन है, जो सभी के लिए सार्वभौमिक है। प्यार को अक्सर लाल रंग से दशार्या जाता है, इसलिए इस दिन बहुत से लोग लाल कपड़े पहनते हैं, अपने प्रियजनों को उपहार और फूल देते हैं और उनके साथ अच्छा समय बिताते हैं - इस तरह वे अपने तरीके से प्यार का जश्न मनाते हैं। सालों से, वैलेंटाइन डे अब दुनिया भर में व्यापक रूप से मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वैलेंटाइन डे का उत्सव सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि फरवरी महीने में कई दिनों तक चलता है? दरअसल, वैलेंटाइन डे का जश्न 14 फरवरी से एक सप्ताह पहले शुरू हो जाता है और इसे वैलेंटाइन वीक कहा जाता है। वैलेंटाइन वीक का हर दिन प्यार और रिश्ते के बारे में कुछ अनोखा मनाता है। वहीं, वैलेंटाइन डे के भव्य उत्सव के बाद का सप्ताह उन लोगों के लिए एंटी-वैलेंटाइन वीक के रूप में मनाया जाता है जो अकेले हैं या जिनका दिल टूटा हुआ है।**

## वैलेंटाइन डेः इतिहास

हर साल 14 फरवरी को मनाया जाने वाला वैलेंटाइन डे, ईसाई और प्राचीन रोमन परंपराओं से जुड़ा है।इस दिन का नाम संत वैलेंटाइन के नाम पर रखा गया है। किंवदंती के अनुसार, प्रेम की शक्ति में विश्वास रखने वाले संत वैलेंटाइन ने सम्राट क्लॉडियस द्वितीय द्वारा युवा सैनिकों के विवाह पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन किया। उन्होंने गुप्त रूप से विवाह संपन्न कराए और इस प्रकार प्रेम में डूबे जोड़ों को मिलाया। लेकिन संत वैलेंटाइन को अंततः कैद कर लिया गया और बाद में लगभग 270 ईस्वी में 14 फरवरी को उन्हें मृत्युदंड दे दिया गया। अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने कथित तौर पर आपके वैलेंटाइन की ओर से लिखकर एक संदेश भेजा था, जो आज भी लोकप्रिय है। और इस प्रकार, वैलेंटाइन डे संत वैलेंटाइन की स्मृति में मनाया जाता है।

एक अन्य सिद्धांत वैलेंटाइन डे को प्राचीन रोमन त्योहार लूपरकेलिया से जोड़ता है, जो फरवरी के मध्य में मनाया जाता है। इस त्योहार में विवाह-संबंध स्थापित करने की रस्में शामिल थीं; समय के साथ, यह ईसाई परंपराओं के साथ जुड़ गया और प्रेम और रोमांस से संबंधित हो गया।

14वीं और 15वीं शताब्दी तक, वैलेंटाइन डे हस्तलिखित पत्रों, कविताओं और फूलों के माध्यम से प्रेम व्यक्त करने का दिन बन गया। और 20वीं शताब्दी तक, यह त्योहार व्यापक रूप से व्यावसायिक हो गया और लोग उपहारों का आदान-प्रदान करने लगे तथा ग्रीटिंग कार्ड भेजना काफी आम हो गया।

## वैलेंटाइन सप्ताह की शुरूआत

वैलेंटाइन डे से पहले पूरा सप्ताह प्रेम सप्ताह के रूप में मनाया जाता है, जिसमें रोज डे, प्रपोज डे, चॉकलेट डे, टेडी डे, प्रॉमिस डे, हग डे और किस डे शामिल हैं।

## वैलेंटाइन डे का महत्व

आधुनिक समय में वैलेंटाइन डे, रिश्तों में मजबूती लाने का अवसर देता है प्यार, विश्वास और समर्पण का संदेश देता है युवा वर्ग के बीच खास लोकप्रिय है फूल, चॉकलेट, ग्रीटिंग कार्ड और रोमांटिक डेट इस दिन की पहचान बन चुके हैं।

## वैलेंटाइन डे मनाने का उद्देश्य

प्रेम और रिश्तों का सम्मान करना, भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना, अपने प्रियजन को खास महसूस कराना, आज यह दिन सिर्फ कपल्स तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोस्त, पति-पत्नी और परिवार के लोग भी एक-दूसरे को प्यार का एहसास कराते हैं।

## वैलेंटाइन डे पहली बार कब मनाया गया

पहली आधिकारिक शुरूआतः 496 ईस्वी। घोषणाः पोप गेलासियस प्रथम द्वारा इसके बाद यह दिन धीरे-धीरे यूरोप और फिर पूरी दुनिया में प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाया जाने लगा।

## कार्ड, गुलाब और चॉकलेट की परंपरा कैसे शुरू हुई?

1500 के दशक में लोग इस दिन अपने खास लोगों को हाथ से लिखे मैसेज भेजने लगे। वहीं, धीरे -धीरे हाथ से बने काड्र्स की जगह कमर्शियल काड्र्स ने ले ली। समय के साथ लाल गुलाब, चॉकलेट और दिल के निशान ने अपनी अलग पहचान बना ली। अपनों के लिए कुछ खास करने का मौका इस दिन लोग अपने पार्टनर, क्रश या जिसे वो पसंद करते हैं, उनके प्रति अपना प्यार जताने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते। गिफ्ट्स देना, रोमांटिक डेट्स पर जाना और बड़े-बड़े सरप्राइज प्लान करना- यही तो इस दिन की खासियत है। मकसद सिर्फ एक होता हैः अपने दिल की बात बयां करना। वैलेंटाइन डे से पहले पूरा एक हफ्ता प्यार को डेडिकेट होता है, जिसे वैलेंटाइन वीक कहा जाता है।

## वैलेंटाइन डे को 'सिंगल' होने का न मनाएं गम, इस तरह खुद को दें वैलेंटाइन डे का खास ट्रीट

वैलेंटाइन डे के मौके पर अगर आप भी सिंगल हैं, तो उदास होने की बजाय इस दिन को सेल्फ लव के तौर पर मना सकते हैं। इस दिन आप अपने परिवार या दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं या फिर कहीं बाहर घूमने जा सकते हैं। वैलेंटाइन डे हर साल 14 फरवरी को मनाया जाता है। दरअसल, वैलेंटाइन डे को अक्सर कपल्स के प्यार के इजहार से जोड़कर देखा जाता है। इस दिन लोग अपने पार्टनर को गिफ्ट देकर सरप्राइज करते हैं और उनके साथ समय बिताते हैं। वहीं, कुछ लोग इस दिन बाहर घूमने भी जाते हैं। अगर इस बार 14 फरवरी को आप अकेले हैं, तो उदास होने के बजाय इसे 'सेल्फ-लव डे' की तरह मना सकते हैं और खुद को स्पेशल फील करा सकते हैं। वैलेंटाइन डे पर आप खुद को ट्रीट भी दे सकते हैं।

### हॉबी को करें फॉलो

वैलेंटाइन डे पर खुद को समय देना है तो कोई हॉबी अपनाना बेहतरीन तरीका हो सकता है। पेंटिंग, म्यूजिक, डांस, कुकिंग या पढ़ाई जैसी पसंदीदा गतिविधियां आप कर सकते हैं। इससे तनाव कम होता है और अकेलापन भी महसूस नहीं होता है।

### परिवार के साथ बिताएं समय

वैलेंटाइन डे पर अगर आप सिंगल हैं, तो उदास होने की बजाय इस दिन परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। आप परिवार के साथ इस दिन कहीं बाहर जाकर खाना खा सकते हैं और पुरानी यादें ताजा कर सकते हैं। इससे परिवार के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

### खुद को दें स्पेशल गिफ्ट

आप वैलेंटाइन डे के मौके पर खुद को कोई बेहतरीन गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें आप कोई किताब, कपड़े, गैजेट या फिर स्किनकेयर प्रोडक्ट शामिल कर सकते हैं। इससे आपको काफी खुशी मिलेगी।

### सोलो ट्रिप करें प्लान

वैलेंटाइन डे पर अगर आप सिंगल हैं, तो खुद को सोलो ट्रिप का तोहफा दे सकते हैं। इस दिन आप अपनी किसी पसंदीदा जगह पर जा सकते हैं या फिर कोई नई लोकेशन एक्सप्लोर कर सकते हैं। अकेले सफर करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और मन को नई ऊर्जा मिलती है।

### क्रिएटिव चीजें करें ट्राई

आप इस दिन पेंटिंग, स्केचिंग या क्राफ्ट जैसी क्रिएटिव चीजें ट्राई कर सकते हैं। अगर आपको म्यूजिक पसंद है तो गाने सुन सकते हैं। वहीं, इस दिन आप कोई अच्छी किताब भी पढ़ सकते हैं।

# माता मनसा देवी नवरात्र मेले के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

## 19 मार्च से 27 मार्च तक चैत्र नवरात्र में लाखों श्रद्धालु करेंगे माता मनसा देवी के दर्शन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त एवं माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने आज माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के सभागार में 19 मार्च से 27 मार्च तक आयोजित होने वाले चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियों की समीक्षा को लेकर बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रबंध समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने मंदिर परिसर में स्वच्छता को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मंदिर और आसपास के सभी पेड़ों पर आकर्षक पेंट किया जाए, ताकि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर का सुंदर और भव्य स्वरूप दिखाई दे।उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर व आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के लिए चार्ट बनाकर सफाई कर्मियों को अलग-अलग क्षेत्र आवंटित किए जाएं। महिला एवं पुरुष शौचालयों पर संबंधित सफाई कर्मी का नाम व मोबाइल नंबर प्रदर्शित किया जाए। शिकायत मिलने पर संबंधित सुपरवाइजर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी सफाई कर्मियों को ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना अनिवार्य किया गया है। जूताघर में भी अलग से कर्मचारी की तैनाती के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने मेले के दौरान कानून-व्यवस्था और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में नाके स्थापित किए जाएंगे तथा 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। श्रद्धालुओं के सुचारू दर्शन के लिए व्यवस्थित कतार व्यवस्था लागू की जाएगी । उपायुक्त ने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम को श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर, काली माता मंदिर कालका और श्री चंडी माता मंदिर में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रत्येक मंदिर में कर्मचारियों सहित एक-एक फायर क्रैश टेंडर तैनात रहेगा।इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त एवं बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी निशा यादव, नगराधीश जागृति, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गौरव चौहान, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता एन.के. पायल, जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, तहसीलदार विवेक गोयल, फायर ऑफिसर रविंद्र पराशर, स्वास्थ्य विभाग की एएसएमओ डॉ. मोनिका, बोर्ड की सचिव शारदा प्रजापति, एसडीओ राकेश पाहुजा, काली माता मंदिर कालका के सचिव पृथ्वीराज, माता मनसा देवी बोर्ड के गैर सरकारी सदस्य कुलभूषण गोयल, बंतो कटारिया, कृष्ण लांबा, ऋषभ, हरिचंद गुप्ता, देवेंद्र धवन, ईश्वर जिंदल, डॉ पुनित बेदी सहित अन्य उपस्थित रहे ।

# शिक्षा सचिव ने जीएमएचएस, मलोया कॉलोनी में बाल-केंद्रित प्रयोगशाला एवं मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सुश्री प्रेर्णा पुरी, आईएएस, शिक्षा सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन ने आज ऋ्न्न५ी१ल्लीेल्ल३ टङ्मीं' ळॅ रुँङ्कङ्क', ट'ङ्म८ उङ्क'ङ्क्ल८ में बाल-केंद्रित विज्ञान प्रयोगशाला तथा मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला (लैब-ऑन-ए-कार्ट) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री नितिश सिंगला, निदेशक स्कूल शिक्षा तथा सुश्री बिंदु अरोड़ा, उपनिदेशक स्कूल शिक्षा-2 भी उपस्थित रहे।

बाल-केंद्रित प्रयोगशाला को विद्यार्थियों के लिए इंटरएक्टिव एवं आयु-उपयुक्त शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है, जिससे एकीकृत एवं अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा मिलेगा। मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला, जिसे ह्लैब-ऑन-ए-कार्टह्व के रूप में तैयार किया गया है, कक्षा श्कसे तक के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों से सुसज्जित है। इसमें रसायन, वोल्टमीटर, माइक्रोस्कोप, टेस्ट ट्यूब, बीकर सहित अन्य वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं।

इन पहलों का उद्देश्य नियमित कक्षाओं को गतिशील शिक्षण स्थलों में परिवर्तित करना है, ताकि स्थायी प्रयोगशाला की आवश्यकता के बिना ही सर्किट परीक्षण, रासायनिक अभिक्रियाएं तथा सूक्ष्मदर्शी अवलोकन जैसी गतिविधियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन संभव हो सके। बाल-मैत्रीपूर्ण डिजाइन उपकरणों के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे विद्यार्थियों में जिज्ञासा विकसित होती है और रळएट कौशल सुदृढ़ होते हैं।

सुश्री प्रेर्णा पुरी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की बाल-केंद्रित प्रयोगशालाएं एवं मोबाइल विज्ञान सुविधाएं शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का उदाहरण हैं और इन्हें अन्य विद्यालयों में भी शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। श्री नितिश सिंगला ने बताया कि मोबाइल प्रयोगशाला की पोर्टेबिलिटी तथा डोम थिएटर जैसी सुविधाओं का समावेश सभी विद्यार्थियों को व्यावहारिक अधिगम के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो विभाग की अनुभवात्मक शिक्षा को सशक्त बनाने की परिकल्पना के अनुरूप है।

दौरे के दौरान गणमान्य अतिथियों ने विद्यालय के डोम थिएटर की भी सराहना की, जो विद्यार्थियों को नवीन एवं सजीव शैक्षणिक अनुभव प्रदान कर रहा है।

# डॉ. मंजुल त्रिपाठी को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल लीडरशिप भूमिकाओं में पदोन्नत किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ की एक और उपलब्धि में, न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट में एडिशनल प्रोफेसर डॉ. मंजुल त्रिपाठी को वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज द्वारा रेडियोसर्जरी कमेटी का चेयर नियुक्त किया गया है। उन्हें इंटरनेशनल स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी सोसाइटी का एंबेसडर भी बनाया गया है, यह सम्मान उनके असाधारण क्लिनिकल कमिटमेंट और स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी में अग्रणी काम के लिए दिया गया है। ये ग्लोबल नियुक्तियां पीजीआईएमईआर की बढ़ती इंटरनेशनल पहुंच में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं और सुपर-स्पेशियलिटी केयर, रिसर्च और एकेडमिक लीडरशिप में इंस्टीट्यूट की सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थिति को और पक्का करती हैं।

डॉ. त्रिपाठी की कामयाबी की तारीफ करते हुए, पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल ने कहा, डॉ. मंजुल त्रिपाठी को बड़ी इंटरनेशनल संस्थाओं से मिली पहचान न सिर्फ.उनकी पर्सनल काबिलियत को दिखाती है, बल्कि ढ्रू्नएफ्र के लेटेस्ट न्यूरोसर्जिकल केयर को आगे बढ़ाने के लंबे समय के कमिटमेंट को भी दिखाती है। ग्लोबल लेवल पर उनकी लीडरशिप से एकेडमिक एक्सचेंज और मजबूत होगा और यह पक्का होगा कि रेडियोसर्जरी में इनोवेशन एक्सेसिबिलिटी और इक्विटी के प्रिंसिपल्स के साथ अलाइन हों। स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी न्यूरोसर्जिकल साइंस में सबसे एडवांस्ड फ्रंटियर्स में से एक है। ब्रेन के अंदर ठीक से तय टारगेट्स पर रेडिएशन की बहुत ज्यादा फोकस्ड बीम्स पहुँचाकर, यह ट्यूमर, वैस्कुलर मैलफॉर्मेशन और कुछ फंक्शनल डिसऑर्डर्स का इलाज मुमकिन बनाती है—अक्सर बिना ओपन सर्जरी की जरूरत के। इस टेक्नीक के लिए टेक्नोलॉजिकल सोफिस्टिकेशन, एनाटॉमिकल प्रिसिजन और मल्टीडिसिप्लिनरी कोऑर्डिनेशन की जरूरत होती है।

# चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी ने किया लीगल एड क्लिनिक का औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी श्री अजय कुमार ने हिमाचल बॉर्डर के समीप स्थित गोरखनाथ गांव में चल रहे लीगल एड क्लिनिक का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उदेश्य दूरदराज बार्डर इलाकों में रहने वाले लोगों तक लीगल एड सेवाएं उपलब्ध करवाना है। श्री अजय कुमार ने निरीक्षण के दौरान पाया कि गांव के लोगों को सही कानूनी सहायता मिल रही है। लीगल एड क्लिनिक हरियाणा स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी और नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की गाइडलाइंस के अनुसार काम कर रहा है। उन्होने बताया कि लीगल एड क्लिनिक गोरखनाथ गांव के पंचायत घर से लोगों को लीगल एड सेवाएं उपलब्ध करवा रहा है। निरीक्षण के दौरान गांव की सरपंच श्रीमती बिमला देवी भी उपस्थित रही। सीजेएम-कम-सेक्रेटरी ने सरपंच से भी बातचीत की और लोकल लेवल पर एक्टिव मॉनिटरिंग की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि लीगल सर्विस देने वाली संस्थाएं जागरूकता फैलाने और हरियाणा के हर कोने में हर योग्य व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सेवाएं देने के लिए सरकारी पैसा खर्च कर रही हैं। उन्होने बताया कि लीगल एड सेवाएं देते हुए पारदर्शिता और सख्त जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

श्री अजय कुमार ने निर्देश दिए कि लीगल एड क्लिनिक में एक सही रजिस्टर रखा जाना चाहिए। उन्होंने वहां तैनात एडवोकेट और (पीएलवी) को कानूनी सलाह के लिए क्लिनिक आने वाले हर व्यक्ति का नाम, पता और फोन नंबर रिकॉर्ड के रूप में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि रजिस्टर में हर आवेदक को दी गई कानूनी सलाह या मदद के प्रकार के साथ-साथ उनके द्वारा उठाए गए खास सवालों का साफ-साफ जिक्र होना चाहिए।

## संक्षिप्त-समाचार

### पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, मौली में फीफा के फुटबॉल फॉर स्कूल्स कार्यक्रम के तहत फुटबॉल वितरित

**पंचकूला।** पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, मौली जिला पंचकूला में आज भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा विश्व की अग्रणी फुटबॉल संस्था फीफा के संयुक्त अभियान फुटबॉल फॉर स्कूल्स के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फीफा से प्राप्त 970 फुटबॉल का वितरण जिले के 154 विद्यालयों में किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, पंचकूला श्रीमती संध्या छिकारा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर इको क्लब प्रभारी श्री नरेंद्र बलाना, जिला शिक्षा विभाग कार्यालय पंचकूला से श्री पवन शर्मा सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी एवं अध्यापकगण उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य श्री रूपचंद ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विद्यालय के शिक्षक श्री संजय ने ह्लफुटबॉल फॉर स्कूल्स ह्व कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। अपने संबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों को खेलों के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि फुटबॉल जैसे खेल न केवल शारीरिक विकास में सहायक हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सौहार्दपूर्ण व्यवहार भी सिखाते हैं। उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय, मौली के विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री सचिन रतन के निर्देशन में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। अंत में जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्री दलीप कुमार (पीजीटी हिंदी) ने किया। विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

### डीसी ने संबंधित अधिकारियों को 5 दिनों में सडकों का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

**पंचकूला।** उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी, रि-ओपन व लंबित शिकायतों की समीक्षा व उन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का बिना विंलब किए व गंभीरता से समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। श्री सतपाल शर्मा ने सभी अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करने में लापरवाही की गुंजाईश नही है। उन्होने कहा कि हम सभी का नैतिक कर्तव्य लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर हो। उन्होने पीएमडीए, नगर निगम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण,एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में टूटी हुई का सडकों का मुआयना कर 5 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होने बडे बडे गढढे तुरंत प्रभाव से भरे जाने के निर्देश दिए ताकि जिले के लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। उपायुक्त ने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों पर विस्तार से बात की और निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेश के लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर हर जिले में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं लोगों की समस्याओं की मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुडते भी हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिलावासियों की समस्याओं का तय समय सीमा में समाधान हो।

# एसडी कॉलेज में आयोजित लेक्चर में छात्रों को समझाई गई भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से शुक्रवार को ह्लकरंट मैक्रोइकोनॉमिक डेवलपमेंट्स एंड मॉनेटरी पॉलिसीह्व विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिपार्टमेंट ऑफ इक्नॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च के सलाहकार डॉ. सुनील कुमार ने संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक आर्थिक रुझानों, देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई के बदलते स्वरूप और मौद्रिक नीति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. कुमार ने वर्तमान मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों को सरल ढंग से समझाते हुए छात्रों को अर्थव्यवस्था की दिशा और नीति निर्माण के प्रभावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।डॉ. कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक दुनिया की आर्थिक रफ्तार धीमी हो रही है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अब भी मजबूत बनी हुई है।उन्होंने बताया कि इसकी बड़ी वजह देश में मजबूत घरेलू मांग, खासकर लोगों का खर्च (प्राइवेट खपत), और तेजी से बढ़ता सर्विस सेक्टर है।उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को आगे मजबूत बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, डिजिटल प्रगति और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती क्षमता अहम भूमिका निभा रही है। हाल के रुझानों पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बीते महीनों में महंगाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है, जिस पर खाद्य कीमतों का खास असर रहा है, हालांकि जनवरी 2026 में हेडलाइन महंगाई में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा कि भारत की मौद्रिक नीति का मुख्य लक्ष्य लचीले महंगाई लक्ष्य ढांचे के तहत कीमतों को स्थिर रखना है, साथ ही आर्थिक विकास को भी समर्थन देना है। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा की देखरेख में और अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन समिति में डॉ. रुचि शर्मा, डॉ. दीप्ति चावला, डॉ. अवुर्दा मेहता और डॉ. शिप्रा बंसल सहित अन्य फैकल्टी मेंबर्स और छात्र स्वयंसेवक शामिल रहे। लेक्चर में फैकल्टी मेंबर्स, पोस्टग्रेजुएट छात्र और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया।कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ। इस पूरे आयोजन ने प्रतिभागियों को मौजूदा मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति और नीतिगत दिशा के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की।

# विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु समावेशी वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

समग्र शिक्षा, चंडीगढ़ द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन 12 एवं 13 फरवरी 2026 को राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 23-ए में किया गया। सुश्री प्रेरणा पुरी, शिक्षा सचिव तथा श्री नितिश सिंगला, निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय स्तर, समूह स्तर तथा राज्य स्तर पर चरणबद्ध रूप से किया गया, ताकि अधिकतम विद्यार्थियों को सहभागिता का अवसर प्रदान किया जा सके।चंडीगढ़ के विभिन्न राजकीय विद्यालयों के कुल 171 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों ने बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल तथा सॉफ्टबॉल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 13 फरवरी 2026 को आयोजित अंतिम मुकाबलों में कुल 92 प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्गों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा, उत्साह तथा खेल भावना का प्रदर्शन किया।

यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जो समावेशी शिक्षा तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति शिक्षा विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को 26 फरवरी 2026 को खेल परिसर, सेक्टर 7 में आयोजित वार्षिक एथलेटिक्स खेल समारोह के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

# क्लासरूम से केयर कॉरिडोर तक: हिमाचल प्रदेश के करीब 800 स्कूली स्टूडेंट्स ने पीजीआईएमईआर में पब्लिक हेल्थकेयर का अनुभव किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर ), चंडीगढ़ ने हाल ही में एक काम का आउटरीच और हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम पूरा किया, जिसमें 7 से 13 फरवरी 2026 के बीच हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग जिलों से करीब 800 स्कूली स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। चार ध्यान से प्लान किए गए बैच में हुए इन विज़िट से स्टूडेंट्स को हॉस्पिटल के माहौल को करीब से महसूस करने का मौका मिला, साथ ही यह भी पक्का हुआ कि मरीजों की रेगुलर देखभाल आसानी से होती रहे।

सिर्फ एक इंस्टीट्यूशनल टूर से कहीं ज्यादा, यह प्रोग्राम युवाओं को हेल्थकेयर को एक साझा ज़िम्मेदारी के तौर पर समझने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया था। स्टूडेंट्स को ढ्रू्नएफ्र के खास वॉलंटरी सर्विस प्रोग्राम रअफ्अळल्क से मिलवाया गया, और उन्हें ऑर्गन डोनेशन, ब्लड डोनेशन और आई डोनेशन की अहमियत के बारे में बताया गया—यह सीखते हुए कि कैसे जागरूक नागरिक हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत कर सकते हैं।

स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए, पीजीआई के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल ने रोकथाम और जागरूकता की ताकत के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हेल्थकेयर किसी मरीज के हॉस्पिटल में आने से बहुत पहले शुरू हो जाती है। कम उम्र में बैलेंस्ड न्यूट्रिशन, फिजिकल एक्टिविटी, मेंटल वेल-बीइंग और हेल्दी लाइफस्टाइल के बारे में जागरूकता, पुरानी बीमारियों को रोकने और भविष्य में हेल्थकेयर का बोझ कम करने में अहम भूमिका निभाती है। स्टूडेंट्स को पब्लिक हेल्थकेयर की असलियत से रूबरू कराकर, हम एक ज्यादा जानकारी रखने वाली और ज़िम्मेदार पीढ़ी में इन्वेस्ट कर रहे हैं।प्रोजेक्ट सारथी के बारे में बताते हुए, पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर ने बताया कि यह पहल कैसे युवा वॉलंटियर्स को साफ तौर पर तय भूमिकाओं और गाइडेड सुपरविजन के जरिए मरीजों की मदद और सपोर्ट सर्विस में अच्छे से शामिल करती है।प्रो. लाल ने बताया, सारथी ने दिखाया है कि कैसे युवा, जब साफ तौर पर, अनुशासन और ज़िम्मेदारी के साथ गाइड किए जाते हैं, तो वे पब्लिक संस्थानों में मरीजों पर ध्यान देने वाली देखभाल को मजबूत करने में कीमती पार्टनर बन सकते हैं, साथ ही कम उम्र में ही हमदर्दी और नागरिक कमिटमेंट भी पैदा कर सकते हैं।

पीजीआईएमईआर के डिप्टी डायरेक्टर (एडमिनिस्ट्रेशन) श्री पंकज राय, जिन्होंने इस पहल को लीड किया और इसे आसानी से पूरा करने के लिए सभी संबंधित डिपार्टमेंट के साथ मिलकर काम किया, ने इस बात पर जोर दिया कि विज़िट को हॉस्पिटल के अनुशासन के साथ एजुकेशनल एक्सपोजर को बैलेंस करने के लिए ध्यान से बनाया गया था। उन्होंने कहा, स्टूडेंट्स को अलग-अलग बैच में ऑर्गनाइज करने से मरीजों की सुविधा और बिना रुकावट वाली सर्विस बनाए रखते हुए सही जुड़ाव पक्का हुआ। ऐसी पहल युवा सीखने वालों को पब्लिक हेल्थकेयर डिलीवरी के पैमाने को समझने और मुश्किल हॉस्पिटल सिस्टम को सपोर्ट करने में स्ट्रक्चर्ड वॉलंटरी सर्विस के महत्व को समझने में मदद करती हैं। इस अनुभव से उन्हें यह समझने में मदद मिली कि डॉक्टर, नर्स, एडमिनिस्ट्रेटर और वॉलंटियर कैसे मिलकर दयालु और अच्छी देखभाल सुनिश्चित करते हैं।कई स्टूडेंट्स के लिए, यह विज़िट बदलाव लाने वाली थी। शिमला के सरकारी स्कूल की स्टूडेंट मानवी ने बताया, इस विज़िट ने हॉस्पिटल को देखने का मेरा नजरिया बदल दिया। हमने समझा कि मरीजों की मदद के लिए कितने लोग मिलकर काम करते हैं और हेल्थ और डोनेशन के बारे में अवेयरनेस कितनी जरूरी है। इससे हमें लगा कि स्टूडेंट होने के नाते भी हम समाज में अपना योगदान दे सकते हैं। उनकी बातें कई और लोगों से भी मिलीं, जिन्होंने इस अनुभव को किताबों और क्लासरूम से परे आंखें खोलने वाला बताया।इस पहल ने ढ्रू्नएफ्र के प्रिवेंटिव हेल्थ एजुकेशन, यूथ एंगेजमेंट और कम्युनिटी पार्टनरशिप के कमिटमेंट को और पक्का किया—इस विश्वास को मजबूत करते हुए कि हेल्थकेयर हॉस्पिटल की दीवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अवेयरनेस, हमदर्दी और ज़िम्मेदारी भरे काम से शुरू होती है।

### नगर निगम पंचकूला ने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के लिए जारी किए नोटिस

**पंचकूला।** नगर निगम पंचकूला ने आयुक्त श्री विनय कुमार के नेतृत्व में विभिन्न सरकारी विभागों, निजी संपत्ति मालिकों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय संपत्तियों के धारकों को चालू वित्तीय वर्ष के लंबित संपत्ति करों के संबंध में नोटिस जारी किए हैं। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि जैसे-जैसे वित्तीय वर्ष समाप्त हो रहा है, निगम ने समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने और चल रहे एवं आगामी नागरिक विकास कार्यों की वित्तीय योजना को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि संपत्ति कर राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जो शहर में स्वच्छता, स्ट्रीट लाइटिंग, सड़क रखरखाव, पार्कों की देखभाल और अन्य जनकल्याण कार्यों जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए मदद करता है। श्री विनय कुमार ने सभी निवासियों और संपत्ति धारकों से अपील की है कि वे म्युनिसिपल एक्ट के प्रावधानों के अनुसार पेनल्टी, ब्याज या भविष्य में होने वाली कार्रवाई से बचने के लिए जल्द से जल्द अपना बकाया संपत्ति कर चुका दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि समय पर टैक्स का भुगतान सीधे तौर पर पंचकूला में नागरिक अवसंरचना को मजबूत करने और सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम पंचकूला पारदर्शी शासन, बेहतर नागरिक सुविधाओं और जिम्मेदार वित्तीय प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि समय पर टैक्स का अनुपालन और नागरिकों के सक्रिय सहयोग से शहर के समग्र विकास के लिए निगम की सेवा प्रदान करने की क्षमता में काफी वृद्धि होगी।